Unani Sabda ~~kośa~~ Koṣa
(or the synonymous words ~~of~~
in Hindi of Arabic and
Persian words concerning with
Medicines). — By Pt. विश्वेश्वर
दयाल वैद्य. [illegible] — slightly
pinholes in the margin not affecting
reading matter. ~~Etawah,~~
3/e, Etawah, 1973

(7)

1123

Bill No. 3/07-08

19/-

2008-0358

Shiveta Bhatia, Malkaganj

Calcutta, Delhi,

...mal, ...JP chief

...south De... ...omplainin... ...ted wat... ...o mont... ...south ... contin... ...for ov... adjoi... ...e dea... ...ut ... als ... had ... water car- ...t in it as ...e to the ... complaints of ... supply is very common.

Witnesses in Par... ...ttack case get t...

...WS NETWORK

Two witnesses ...ament attack case ...alleged in court ...ceived threat calls ...dis... them ...ordi... the ... ...utic... Khar... ...ha ... ...ad ... ...lay ... ...em ... death ... recor... ...e Sp...

Dhingra, saying he ... pose without any ... wife said she was ... deposing in the cou...

Identifying the ... cused — Jaish-e-Mo... (JeM) militants Mo...

TELEVISION

The Animal Within & iii. The Greatest Martial Artist- Bruce Lee
2200 Night Safari: Chasing Giants- On the Trail of the Giant Squid

CARTOON NETWORK
0800 Tom & Jerry Show
0900 The Looney Tunes Show
1000 The Adventures of Tintin

1430 Zabardast Hits
1500 Karaoke
1530 Sunday Stack

...p Beat
...Foot-
...vs.
...02: 2nd
1700 Sr. Grass Court Ntnl

यूनानी-शब्दकोष

यानी

(अरबी फारसी शब्दों के हिन्दी नाम)

लेखक—

स्व० आ०म०म० पं० विश्वेश्वर दयालु जी वैद्यराज

प्रधान सम्पादक—“माला”

बरालोकपुर-इटावा (उ० प्र०)

प्रकाशक:—
पं० ओमेन्द्र प्रकाश दुबे वैद्य आ० शास्त्री
बरालोकपुर-इटावा

मुद्रक:—
श्री हरिहर प्रिंटिङ्ग प्रेस,
बरालोकपुर-इटावा

यूनानी शब्द-कोष

यानी

(अरबी फ़ारसी शब्दों का हिन्दी अनुवाद)

लेखक —

वि० चू० स्व० पं० विश्वेश्वर दयालु वैद्यराज

प्रकाशक —

वैद्य ओमेन्द्र प्रकाश आ० शा० भिषग्वर

सम्पादक — "अनुभूत योगमाला"

बरालोकपुर-इटावा (उ० प्र०)

तृतीयवार ५०० } सन् १९७३ ई०

भूमिका

यूनानी औषधियां बड़े कमाल की है, उनका व्यवहार साधारण वैद्य श्री कर सके इस लिये उनके यूनानी (फार्सी व अरबी) नामों का हिन्दी में अनुवाद कर दिया गया है ताकि सर्वसाधारण भी उनको समझ सके और उनका उपयोग कर सके, अभी तक यूनानी दवाइयों का प्रचलन सर्व साधारण में इन्हीं दुरुह नामों के कारण नहीं हो सका था इसी लिये हमने इनका अनुवाद हिन्दी में कर दिया है, कुछ ऐसी भी दवाइयां थीं जिनके नाम की हिन्दी नहीं हो सकती न वह दवाइयां ही इधर की हैं, अतः उनके नामों को जान करके छोड़ दिया गया है। प्रायः सभी दवाइयों के प्रसिद्ध २ नाम लाने की कोशिश की गई है, फिर शब्द शास्त्र अगाध होने के कारण सौर मैं मानव होने के कारण सर्वज्ञता से रहित होने के कारण जितने भी जान सका समावेशित कर दिये, शेष के लिये "आयुर्वेदीय विश्व-कोष" देखें, इनके गुणों को बताने वाला यूनानी ढंग से "मखजन उल अदबिया" नामक निघण्टु है जो हिन्दी में हमारे यहां छपा है। जिसमें यूनानी का ६५० औषधियों का वर्णन हुआ है और सबसे बड़ी खूबी उसमें यही है कि प्रत्येक औषधि के दर्पनाशक प्रतिनिधि बगैरह भी दे दिये गये हैं, कुछ तो अनुभव एवं चमत्कार ला जवाब उसमें वर्णित है, वैद्यों को अवश्य देखना चाहिये। यूनानी रोग और चिकित्सा-क्रम को बतलाने वाला "भावप्रकाश" के समान ग्रन्थ "शिफाउल अमराज" दो भागों में हिन्दी में हमारे यहां छप चुका है, मूल्य ४) हैं। औषधि संग्रह का ग्रन्थ "कराबादीन कादरी" सबमें बड़ा है, और साधारण छोटा "करावादीन शिफाई" है, यह सब हिन्दी में प्रकाशित कर यूनानी का पूरा निदान चिकित्सा, निघण्टु सभी पूरा किया गया है पारिभाषिक शब्द एवं तौल भी इसमें देकर पूर्ण उपयोगी बना दिया गया है।

भवदीय—

स्व० श्री पं० विश्वेश्वर दयालु वैद्यराज

यूनानी शब्द-कोष
यानी
(अरबी फ़ार्सी शब्दों के हिन्दी नाम)

[अ]

अकरव-बिच्छू
अकनमुक्त-करञ्ज
अकअक-कौवा
अकलीमियायेफंजा-रूपांमक्खी
अकलीमियाउलजहब-सोनामक्खी
अकाकिया-बबूल का सत
अगबार-अखबार
अगूजा-हींग
अजफारउललतीब-नख
अलफार उलजन-करनपात
अजखर-रोहिषतृण
अजबा-छोटी माई
अजरयूम-सूरजमुखी
अजहद-अंबर वेद
अजन उलफील-फीलगोश
अतरज-बिजोरा
अजाप्याजाव-काई
अदस-मसूर
अनकुलसालिब-मकोय
अनादल-बुलबुल
अनारमेखुश लाल अनार
अनार तुरश-खट्टा अनार

अनार शीरी–मीठा अनार
अनीज–आम
अफसन्तीन–एक कड़वी घास है
अफ़ूतीमून–अमरबेल
अफस–माजूफल
अफशीरुहमकूम नैशकर–रात
अफरवां–पनीर
अफयून–अफीम
अयुगिला–बबूल
अवहर–नरगिस
अबकर–शोरा
अवसनवहीउलआलम–सदाबहार
अबरकमकिया–मकड़ी का जाला
अबूउलमलीह–चकोर चिड़िया
अबल–ऊंट
अबहल–हाऊबेर
अबूरवलसाम–रतनजोत
अमरूद–बिही, सफरी
अमायेउल गारज–केंचुवा
अस्विह–आम
अम्वर उल सहव–अम्वर
अम्वर वेद–अम्वरवेद
अम्बर बारीश–जरिश्क
अंजबाह अजवाइन
अंजवार–एक जड़ है
अंजीर–अंजीर
अगर–हींग

अंजीर दन्ती–कठूमर
अंख उल वरी–शशक
अदलीव–बुलबुल
अंजरुत–कांटेदार लाई
अरगवान–अरगवान दरख्त
अरबी–घुइयां
अरजीर–रांगा
अर अर–शरू दरख्त
अरजन–चैना अनाज
अरुकउल सफर–हल्दी
अरबैं–कनखजूरा
अरबीन–कनखजूरा
अरद–बतख
अराक–पीलू
अकुलजबाल–शिलारस
अर्जन–चैना
अर्कजैबुलसमा–मजीठ
अकुल काफूर–कपूर कचरी
अलरमान–अनार
अलसाफीर–इन्द्रजौ
अलहमल–ऊँटकटारा
अहलीलज अस्वद–स्याह हरड़
अहलीलज अस्फर–पीली हरड़
अलमास–हीरा
अककमा–पहाड़ी गंदना
अलक–गोंद

अलकरूम–मस्तगी
अल्कीक–सुर्मा
असद–शेर
असल–शहद जड़
अमलक–सम्भालू
असलउल सोसन–सोसन की जड़
असलीलुलमलक–नाखूना
असलुल फिल फल–पीपरामूल
असलुलसूस–मुलैठी
असलुल खतमी–खतमी की जड़
असलुल लफाह उलबरी–लक्ष्मणा
असरून तगर–सुगन्धवाला
असल हब्बुल सलातीन–दतौनियां
असलउल हिन्दवाय–कासनीजड़
असर–आक
असरज–सिन्दूर
अस्फर–लता कस्तूरी
अस्फार–चिड़िया
अस्तर–खिच्चड़
अस्प–घोड़ा
अस्पन्द–हरमल
अस्कोल–प्याज
अस्फानाख–पालक
अस्कूर–जंगली लहशन
अस्कुलकिवर–किब्र की जड़
अशखार–सज्जीखार
अशमद–सुर्मा
अशातरज हिन्दी–चीता
असाफाउल सफर–हथाजोड़ी
अश्व–दूव
अश्नाह–छड़ीला
अहक–अनन्नास
अहरीज–कसूम
अहलउल कावद्री–केवड़े की जड़
अहलीलज अस्फर–हरड़ पीली
अहलीलज असूद–काली हरड़
अहलीलज काबुली–हरड़ काबुली
आजर–ईंट
आजाद दरख्त–बकाइन
आज–हाथी दाँत
आतुरीलाल–काकजंघा
आवलह–आमला
आफताब परस्त–सूरजमुखी
आवगीना–कांच
आवरेशम–रेशम के कीड़ों का घर
आव–दूव
आतिशखवार–चकोर
आलादमानिया–चौलाई शाक
आशिकउलशजां–इश्कपेचा
आश–ऊदविलाव
आहक–चूना
आहन–लोहा
आह–हिरन

[इ]

इहवान–मुरहरी
इख्तफार–गोबर का कीड़ा
इस्पन्द–असपन्द

[उ]

उर्ज-चावल विरंग
उलवजा-टिड्डी
उशा-कादर
उशवा मगरव-उशवा पश्चिमी
उशीरह महक-मोरेठी का सत
उशारश रेवत-रेवतचीनी का सत
उश्क-कान्दर
उश्तरखार-ऊंटकटारा
ऊद-अगर
ऊदउल-नकछिकनी
ऊदउल हय्या-नागदौन
ऊदउल करीक-कायफल
ऊदसलीब-काला अगर

[क]

ककरजद-एक सलाद नामक शाक
है, इसे आर्टीचोक कहते हैं
कजवरा-धनियां
कजून उल सम्बल-संखिया
कतां-अलसी
कतफ-बथुआ
कतीस-कागज
कदर-वन्दर
कद्दू रूमी-पेठा
कद्दू शीरी-लौकी
कद्दू दराज-रामतुरई लौकी
कनवउलख्याल-भांग
कनार-बेर
कफशतग-खुर
कफेदरिया-समुद्रफेन
कफेपरियम-हत्थाजोड़ी
कफेआकमा-हत्थाजोड़ी
कमाफ़ितूस-कुकरौंधा
कमून अवैज-जीरा सफेद
कमूनरूमी-काला जीरा
करवाजज-मांई बड़ी
करअ-लौकी
कतीन-लौकी
करतुम-लता कस्तूरी
करकरा-चक्राबत पक्षी
कर-चक्राबत
करनफल-लौंग
करनकुक्रजर-कहरवा
करनबआज-सींग
करकम-केशर
करकिमास-केशर
करगदन-गेंडा
करकी-कुलंग पक्षी
करगस-गोध
करनव-करमकल्ला
करफस कोही-पहाड़ी अजमोद
करास-गन्दना
कलमगर्द-करमकल्ला
कलज-मेदा लकड़ी
कलीमरूमी-फूलगोभी

कलीस आस्कर–सज्जीखार
कवक–चकोर
कवल–कुत्ता
कवाबा–शीतलचीनी
कवरीत–गन्धक
कश्बुलजीरा–चिरायता
कश्बुलशकर–गन्ना
कशर–छिलका
कश्नीज–धनियां
कसब–बांस, नरकुल
कसल–खीरा
कसाय–ककड़ी
कसरदम–बिच्छू
कमर इलाताज–बिजौरा
कसायेउल ममार–करेला
कसर गियाह–नाखूना
कसूस–अमरवेल के बीज
काज–मुर्गाबी
कात–कत्था
काकजन–पटकौवा
काकला कबीर–बड़ी इलायची
काकला सगीर–छोटी इलायची
काफूर–कपूर
कादजी–केवड़ा
काविजा–पथरी
काहमकी–अजखर तृण
किलकिलास–अरनी
किनारदस्ती–झरबेरी
किस्तुरमर–कूठ कड़वा
किश्तुलहलू–कूठ मीठा
कुकुन्दर–कुकरोंदा घास
कुन्दरजकर–लोबान
कुन्दर–लोबान
कुलंग–एक पक्षी
कुरफा–तज
कुस्त–कूठ कड़वा
कुस्तान अफरोज–कुल्फा
कुत्फतार–बिज्जू
कुंजद–तिल
कैकहर–राल
कैर–राल
कोकल–सुपारी
कोकनार–पोस्तदाना
कोदरस–कोदों
कोश्नज–कूठ
कोश्नथेतलख–कूठ
कन्द–मिश्री
कंदवरुमी–पेठा
कंबीत–फूलगोभी
कंद स्याह–गुड़
कंखउलमाय–कुमोदिनी
कंजिश्क–चिड़िया
कम्बील–कबीला
कान्दीक–गुड़
कुन्दस–नकछिकनी

[ख]

खताफ-अबाबील
खफास-चिमगादर
खयार सम्बर-अमलतास
खयारदस्ती-फूंट
खयार बादरंग-जीरा
खयार ख्वारजा-ककड़ी
खयारी वाह-सालममिश्री
खरग-आक
खरचंग-केकड़ा
खरजहरा-कतीरा
खरजान-वेत
खरदर जगोश-गधा
खरपजा-खबूंजा
खरफ-फिटकरी
खरमोहरा-कौड़ी
खरयज-इन्द्रायण
खरदारु-कुलिजन
खरजहरां-कतीर
खवसुलजहरा-सोनामक्खी
खबसुल हदीद-मंडूर
खरुअ-एरण्ड
खरुक-गोबर का कीड़ा,
खरोश माकिया-मुर्गा
खर्वक अवेज-कुटकी सफेद
खर्बक असवर-कुटकी स्याह
खर्दल-राई
खपुंजा-खबूंजा

खतूंमनफती-खस
खतूंमनबती-खस
खरातीन-केंचुबा
खल-सिर्का
खसत-दिरमना
खशरक-द्रिरमना
खशबुलचीनी-चोबचीनी
खशबुलहयात-मेदालकड़ी
खशखास उलवस्ताने-सफेद पुश्ता
खशखास उलवरी-स्याह पुश्ता
खायहमुर्ग-मुर्गी का अण्डा
खायाअवसोल-करंज
खारपुश्त-सेही
खारखुश्क-गुखुरू
खारवाजगोना-चिरचिरा,अपामार्ग
खारशुतुर-जवासा
खियार दराज-ककड़ी
खिरान-वेंत
खिस्त उलसालव-सालम मिश्री
खिस्तयेरुमिया-ज्वार
खुर्मायेहिन्दी-छुहारा
खूनशियाबसान-हीरा दक्खिनी
खोक-सुआ
खोख-आड़ू
खोलंजान-कुलिजन
खंजीर-सुअर
खदरस-ज्वार

[ग]

गंदना–प्याज की शकल की एक घास गोंदी

गंदुम–गेहूँ

गंतुमबश्ता–जंगली गेहूँ

गज–झाऊ

गजवार–मांई छोटी

गरीउलसमक–सरेश मछली

गर्दारसिया–चक्की की उड़न

गर्री–शरेश

गवीरा–झरबेरी

गश्तवर गश्त–मरोरफली

गात–गौ

गादरस–बाजरा

गिर्दगान–अखरोट

गिरी–शरेश

गिलसफेद–खड़िया

गिलेसुर्ख मिश्री–गेरू

गिलाफ उल गोल–सेम

गुल–फूल

गुल अब्बासी–अब्बासो का फूल गुलाबांस

गुलकाफसा–कुसुम

गुलखतमा–खतमी के फूल

गुलमिश्कीन–सेबती

गुलमास्फर–कसूम

गुलसदबर्ग–गेंदे का फूल

गुलसुर्ख–गुलाब के फूल

गुलहैकान–महुवा

गुल्फ–खुर

गुसल–स्नान

गुशराग–सुरागाय

गुर्ब–बिल्ली

गुर्ग–भेड़िया

गुब्बार उलरही–चक्की की उड़ान

गून–कतीरा

गोगर्द–गंधक

गोजन–बारहसिंगा

गोल–सेम

गोशयूस–चूहादानी

गोशमाहा–सीप

गोशाह–पखानभेद

गोश्त–मांस

[च]

चकी–कटहल

चंदरोस–चंदरस एक प्रकार का कच्चा कहरवा

चर्क तिला–सोनामक्खी

चश्मक–चाकसू

चश्मखरोश–घुंघची (गुञ्जा)

चश्मीजज ताउलसौदा–चाकसू

चश्मीरक–चाकसू

चाय खताई–चाय

चायमगज–अखरोट

[ज]

जअल–गोबर का कीड़ा।
जकरिया–सिर्स
जकूमहजानी–थूहड़
जग–काहु
जगराना–सिवार
जगरात–दही
जगाजह–केंचुवा
जजर–गाजर
जदवार–निर्विषी
जव–गोह
जबाब–मक्खी
जब खफर–ईंगुर
जमल–ऊँट
जमुरद–पन्ना
जर–सोना
जरबर्द–गुलाब का जीरा
जरनीख–हरताल
जरनीख अहमर–मैंनसिल
जराफा–शुतुरगांव
जराबन्द मदहरज–गोलजराबन्द
जरिश्क–एक खट्टा छोटा फल
जरु–लोबान
जर्जीर–तुम्बुरू
जर्दचोब–हल्दी
जर्द आलू–खुब्वानी
जर्निया–कपूर कचरी
जलजवीन–गुलकन्द
जलवान–काबुली मटर
जलाव मायउलवर्द–अर्क गुलाब
जलाव–गुलाब मिश्री
जवारा–घीकुमारी
जबान की खुश्क–इन्द्र जो
जब्द–मक्खन
जहर–वत्सनाभ विष
जहरत लिसान उलसोर–गावजबां के फूल
जहादब वहाम–चकवा
जहर मुहरा–एक पत्थर
जहब–सोना
जाक सफेद–फिटकरी
जाकजर्द–कसीस
जाक सब्ज–हीरा कसीस
जाज अखजर–हीरा कसीस
जाज अवेज–फिटकरी
जाज अस्कर–कसीस
जादरस–बाजरा
जातउल जबायस–बरगद
जाज–जवासा
जान–भेड़
जालूस–भैंस
जियान–जुही
जिन्दकोका–विषखपरिया
जींकबस्तानी–कलगा
जीजगन्दम–जोजगन्दम्

जीवक-पारा
जूफायेखुश्क-जूफा खुश्क
जूफायेपात्रस-जूफा नीले फूल की एक घास है
जुन्तियाना-पाषान भेद
जुल्फ-खुर
जैत-जैतून
जैलान-उन्नाव
जोज-अखरोट
जोजउल हिन्दी-अखरोटे
जोजउलकी-[illegible]नफल
जोजबुबा-जायफल
जोजनतीव-जायफल
जोजु[illegible]सांमल-धतूराबीज,
जंगार-एक धातु है जो प्रसिद्ध है
जंजबील-सोंठ
जंजबील रतब-अदरख
जंजबील शामी-रास्ना
जम्बक-सोसन

[त]

ततन-माखू
तनजूबी खताई-निर्बिषी
तफाह्-सेव
तमरहिन्दी-इमली
तगर-छुहारा
तरह्-हरा शाक
तरह्-खुरासानो चूके का शाक
तरह्-खुफां (कुल्फा) शाक
तरह मरवा-बिल्लीलोटन
तबाशीर-बंशलोचन
ताऊस-मोर
ताजखरोज-कुलफा
ताल-ताड़
तालीकून-कांसा
तालीसफर-तालीसपत्र
तिला-सोना, स्वर्ण
तीवाल-कुड़ाछाल
तुर्की-घुड़बच
तुख्म-बीज
तुख्म इस्नरह्-उटंगन के बीज
तुख्म करफस-अजमोद
तुख्म अरअर-हाऊबेर
तुख्म अनार-अनारदाना
तुख्म खतमी-खतमी के बीज
तुख्ममारचोबा-नागदोन के बीज
तुख्ममूर-मूली के बीज
तुख्मपला-ढांक के बीज
तुख्म बंज-खुरासानी अजवाइन
तुख्म माही-मछली का अंडा
तुख्म शमतील-मेंथी दाना
तुख्म शाहतरा-पित्तपापड़ा के बीज
तुख्म बरश-अमरबेल के बीज
तुख्मवेदअञ्जीर खटाई-जमालगोटा
तुख्म सफानाख-पालक के बीज
तुख्म हिन्दुवाना-तरबूज के बीज
तुख्म तुरशा-चूके के बोथ

तुख्म रेहां–तुलसी के बीज
तुख्म रहल–हाऊबेर
तुरक हीजग–तुम्बूरू के बीज
तुरखुश्क–कासनी जंगली
तुरह तेजक–तुम्बुरू के बीमें
तुर्बुद–निशोथ
तुर्ब–मूली
तुश–खटाई
तुहलब–काहो
तुरञ्ज–बिजौरा
तम्बूल–पान
तूतियायेअजखर–तुत्थ(नीलाथोथा)
तूतियाये किर्मानी–खड़ियामिट्टी
तूतहल्लू–मीठातूत (सहतूत)
तूतशीरीं–मीठा तूत
तूतशामी–खट्टा तूत
तूतहामिज–खट्टातूत
तैनउल अहमर–गेरू
तोबालउलहदीद–लोह चूर्ण

[द]

दवक–लभेरा
दवावा–छड़ीला
दवाली–छड़ीला
दरवल–काकनज
दरखसखक–लोबान
दरख्त–वृक्ष
दरख्त जिकरिया–सिर्स
दरख्त रेशा–बरगद
दरख्त मसबांक–पीलू
दरख्त सान–कंघो
दस्तबोया–कचरी
दारचोब–आमाहल्दी
दारशीसान–कायफल
दारसीनी–दारचीनी
दहनज–दहनाफिरंग एक रत्न है
दहनाफिरंग–एक तूतिया की शक्ल की मणि है
दहलउललोज–बादाम का तेल
दहलउलवर्द–गुलरोगन
दहलउलबिलसां–बिलसां का तेल
दहलउलखरूअ–तेल रेंडी
दहलउलखस–तेल काहू
दहलउलकरतुम–तेल कड़ (कसूम)
दहउलउल समसम–तिल तेल
दहलउल नींब–तेल नीम
दहलउल बाबूनज–तेल बाबूना
दहलउल खशखास–तेल पुस्ता
दहलउल जोज–तेल अखरोट
दहल हब्बुल कहम–तेल भिलावा
दहल हब्बुल करअ–तेल लौकी
दहलवजुल कसां–तेलखीरा ककड़ी
दहल बजुल हदब–तेल पेठा
दहल गुल लूद–तेल महुबा
दहल हब अम्बज–तेल आम की गुठली का

दहल–तैल
दुर–मोती
दुर्राज–तीतर
दूदिया–तूतिया
दूदह–काजल
दोकों–जंगली गाजर के बीज
दोग–मट्ठा
ददाफोल–हाथी दाँत
दबुल अखवैन–हीरा दक्खिनी हीरा बोल

[न]

नखुद–चना
नखता–भुसी
नतरुन–जवाखार
नवात–मिश्री
नमाम–काली तुलसी
नमक दरिया–समुद्र लवण
नमकशोर–खारी लवण
नहास–तांबा
नमामुलमलक सोवर–कालीतुलसी
नातूरा–धतूरा
नानकुलाग–चांगेरी तिपतियाशाक
नारकील–नारियल
नारजील–नारियल
नारजौल बहरी–दरियायीनारियल
नारंज–नारंगी सन्तरा
निमामा–सुतुरमुर्ग
निशास्ता–गेहूँ के आटा का सत
निहाबन्दी–चिरायता
नीलज–नील
नोलोभर–कुमुद (कफुला)
नुकरा–चाँदी
नुकरासोमा–चांदी
न्यूसुख–मसूर
नै–नरकुल

[प]

परस्तोक–अबाबील
पला–ढांक (पलास)
पबदाना–बिनौला
पलंग मुश्म–रामतुलसी
पालसा–फालसा
पलंग–तेन्दुआ
पीप–चर्बी
पीपल आवी–जलपीपल
पुश्तानये अफरोज–कुलफा
पैवन्द मरीम–खिरनी
पोपल–चिकनी सुपारी (सुपारी)
पोस्त–छिलका
पोस्त तुरञ्ज–बिजोरे का छिलका
पोस्त खशखास–पुस्ते की बोंड़ी
पोस्त अनार–अनार का छिलका
पोस्तमार–साँप की केंचुली
पोदीना कोही–पहाड़ी पोदीना

[फ]

फकद–सम्भालू
फतज–मूली
फवज–चकोर
फरासिया–आलूबालू
फरीका–लोबिया
फरजमुश्क–रामतुलसी
फफख–कुल्फे के बीज
फरेफ–दूव
फफियून–वनपसा का सत
फसरुल खसखाश–पुस्ते की बोंड़ी
फख्ता–पडुका चिड़िया
फाखरा–चम्पा
फादजहर मादनी–जहरमुहरा
फातर उलदम–हीरावोल
फान–पान
फिजन कुश्त–सम्भालू
फिदक हिन्दो–रीठा
फिन्दक–रीठा
फिवन्दक–रीठा
फिस्मन्खुद–काकनज
फिजा–चांदी
फिलफिल अलमाष–जलपीपल
फिलफिल अहमर–लालमिर्च
फिलफिल दराज–पीपल बड़ी
फिलफिल मोय–पीपरामूल
फिलफिल स्याह–स्याह मिर्च
फिसतक–पिस्ता
फैकरा–घीकुमार

[म]

मकून मलूकी–अजवायन
मगस–मक्खी
मगास–मेदा लकड़ी
मज–मूंज
मरद–कोंच
मरवारीद–मोती
मरजोक–मसूर
मरद शक–कोंच
मर्जनजूश–दोनामरुवा
मर्गमूस–संखिया
मलहहिन्दी–सेंधानमक
मुलहउल अकबर–साँभर नमक
मलहू इन्द्राणी–लाहौरी नमक
मलहउल मुहीत–समुद्र नमक
मलह उल जजाज–सोचर नमक
मवींज–मुनक्का
मशमश–खुब्बानी
मश्तउल गोल–कंघी
मजलमा–बथुवा
मसवाह कुलसम–कहरवा
मसीमादवाबा–मलाई
मस्का–मलाई
महमूदह–मुसब्बर
महीज–छाछ
माजरयून–एक दस्तावर पत्ता है

मामिरानचीनी–ममीरा
मार–साँप
मालक उलजरी–बगला
माशव–मूंग
माष–(मोंठ) उड़द
मास्कोना–नागदोंन
माहशमान–गारीकून
म होरोबियान–भींगा मेछली
मिकत अर्जक–गूगल
मिरजान–मूंगा (प्रवाल)
मिस–तांवा
मुकशीशा–तारामुखी रौप्यमाक्षिक
मुजरउलदम–भांग के वीज
मुरमुकी–हीराबोल
मुर्दारसंग–मुर्दाशंख
मुश्कज्मोन–मोंथा
मुश्कतरामसीह–पहाड़ी पोदीना
मुस्ताजेला–बोजीदान
मुग्नीला–बबूल
मुञ्चवतिला–केला
मेखक–लौग
मेअप्पासाइला–शिलारस
नोहरे गयाह–लक्ष्मणा
मोमो–बाल

[य]

याकूत कबूद–नीलम
याकूत सुर्ख–माणिक्य
याकूत सब्ज–पन्ना
याकूत सफेद–पुखराज
याकूत–रत्न
यास्मनवरी–जाही जुही
यून–जंगली लहशन

[र]

रकली–कतीर
रतव हिन्दी–छुहारा
रमल–आलू
रमानहलु–मीठा अनार
रमानहाजम–अनार खट्टा
रमानमज–अनार लाल
रमान–अनार
राजियाना–सोंफ
रायथांज–सोंफ
रुईन–कांसा
रुयाल उलसूद–सीसाधातु
रुहउलवंज–चरश
रेगमाही–वालू की मछली
रेवां–रेवास
रेशयेबरगद–बरगद की जटा
रोगन–तेल
रोगन बिलसां–तेल बिलसां
,, विलादार–तेल भिलावा
,, वेद अंजीर–तेल रेंडी
,, खशखाश–तेल पुश्ता
,, कर्ता–तेल अलसी
,, दहन तेल चीड
,, उलहर्फ–तेल सरसों

,, यस्मिन्–तेल चमेली
,, मार्स्फर–तेल कड (कुसुम)
,, चहार मगज–तेल अखरोट
,, तुख्मपलां–तेल पलास (ढांक)
,, तुख्मखयारैन–तेल खीरा, ककरी
,, कुजद–तेल तिल
रोबाह् तरीक–मकोय
रोसखतज–तांबा जला हुआ (ताम्रभस्म)
रोहान–हंस

[ल]

लआल बदखशां–लाल पत्थर
लक–लाख
लजाक उल जहब–कांदर (प्याज)
लजताउलतीस–बरगद की दाढ़ी
लबन–दूध
लबन उल काह्–दूध ऊंटनी का
,, ,, माअज–दूध बकरी
,, ,, जामुस–दूध भैंस
,, ,, जमान–दूध भेड़
,, ,, खफास–दूध चिमगादर
,, ,, अशद–दूध शेरनी
,, ,, निशा–दूध औरत
,, ,, बकर–दूध गाय
,, ,, अतात–दूध गधी
,, ,, माअ–दूध घोड़ी
लबनउल हमारखर–दूध गोरखर
,, ,, हबशी–दूध गोरखर
,, ,, गजाल–दूध हिरनी
,, ,, हामिज–दही
लबन बनफ्सा–फफियून
लसबद–मूंगाशाख
लसान उल साफोर–इन्द्रजौ
लसातउलहमल–बारतंगहरी
लहमउल रखमा–थैली वाला गीध
लहफात–कछुआ
लाक–लाख
लाजबर्द–राजावर्त
लादन–सन
लिसान उलसार–गावजवां
लीमूं कागजी–कागजी नीबू
लीमूं हुलू–मीठा नीबू
लुलू–मोती
लूज अलहत–बादाम मीठा
लूजामर–बादाम कड़वा
लोवाह् लोबिया–(रौंसा) धान्य

[व]

बकम–आल, पतंग (पीलाचंदन)
बकलत उलकी–कुल्फे का शाक
बकलतउल हमका–लोनी शाक
बजन–पनीर
बजण–अलसी
बजर कतूना–ईसबगोल

वजरुल–बीज	वादियान रूमी–सोया जन्दनी
वजरुल सुद्दाब–तितली के बीज	वादाम शीरीं–मीठा बादाम
वजरुल शरेश–उटंगन के बीज	वादाम तलख–कड़वा बादाम
वजरुलहमक–कुल्फे के वीज	वादनजान–बैंगन
वजरुल खतमी–खतमी के वीज	वादनगान–बैंगन
वजबाज–जावित्री	वादंजान बड़ी–भटकटैया
वत–बतख	वादंजान दस्ती–भटकटैया
वतीख–तर्बूज, खबूजा	बाबूना–एक घास है
बतफ–कौड़ी	बाबूतज–बाबूना
वनफसज–वनफसा	वाबूनागाद–मुरहरी
वरदजेवबर्द उलजर्की–खतमीकेफूल	बामिया कुंबार–भिण्डी
ववगा–तोता	वारगज–मांई छोटो(शमीकाबन्दा)
वलगार–बूदार चमड़ा	बोरतंग–एक जड़ी है
वलीजज–वहेड़ा	बारदरख्त आजाद–बकाइनके फल
बलैलह–बहेड़ा	वारजद–गन्दाबिरोजा
वसंक–मसूर	बालूचा सुल्तानी–अदरख
वसलउलफार–प्याज	वासोम–गुलदावदी
वसलउल गुशली–प्याज	विहीदाना–सफरजल
वरबी–गुण्ढल	वीरबहूटी–वर्साती लालकीड़ा
वर्ग–पत्त	विरंज–वाइबिरंग
वर्गपला–ढाँक का पत्ता	विरंग–घड़ियाल
वर्तानीकी–सिरियाली	विलादर–भिलावा
बरंज–पीतल	विल्लौर–एक पत्थर है
बरज मोंगरा–चावल मोंगरा	बुए जहोदान–गूगल
बसवासा–जावित्री	बुसद–मूंगा की जड़
वकलाउल हर्फ–सरसों का शाक	बुखारा–आलू बुखारा
बादियान–सोंफ	बुलअस्पत–विषखपरिया
बादरंजबोया–बिल्लीलोंटन	बूजना–बन्दर

बूनीमार–बगला
बूम–उल्लू
बूदार चर्म–बूदार चमड़ा
बेख–जड़
बेरेजद–गुंडल
बेखमहक–मुलहठी
बेखमिरजान–मूंगा की जड़
बेखबंदअंजीर खताई–दतूनियां की जड़
बेख खतमी–खतमी की जड़
बेख रेवांस–रेवन्दचीनी
बेखबरंदा–चीता की जड़
बेद अंजीर–एरड
बंकार–सुहागा
बंगदस्तो–गांजा

[श]

शअररंद–जौ
शअरउलजन–हंसराज
शअरउल अरंज–हंसराज
शअरउल जियाल–हंसराज
शकर बादाम–खूबानी
शकर अवेज–शकर सफेद
शकामक नामन–लाल घास
शजरत उलजन–देवदारु
शतून–सींग
शफाल आहन–लोहचूर्ण
शबाह–जस्त
शबनमबंग–चरश
शवत–सोया
शमअ–मोम
शमांम–कचरी
शलजग–मलगम
शहम–चर्बी
शाख–सींग
शादना–भांग के बीज
शादनज–भांग के बीज
शाहदाना–भांग के बीज
शाहस फ़रस–तुलसी
शाहचीना–जदवार (निर्विषी)
शाहतरज–पित्तपापड़ा
शाहतरा–पित्तपापड़ा
शीर–दूध
शीरगिरगाह–दुधी
शीर बुज–दूध बकरी
,, घावमेश–दूध भैंस
,, गोशकन्द–दूध भेड़
,, शवपरह–दूध चिमगादर
,, जन–दूध औरत
,, गाव–दूध गाय
,, खर–दूध गधी
,, आहू–दूध हिरनी
,, अस्प–दूध घोड़ी
,, गोरखर–दूध गोरखी
शुतर–ऊंट
शेर–वाल

शैतरज–चीता
शोत–सोया
शोकतातबीज–जवासा
शोकनाऊटकटारा
शंकार–रतनजोत

[स]

सकबीना–कंठल गोंद
सकबीनज–कडल गोंद
सकमूनियाँ–मुसव्वर
सखुन–साबुन
सतरास्यूतस–जलकहूनी (जलुकाई)
सन–कुत्ता
सप–सरसों
सपिस्ता–लभेरा
सफ-बरंज–प.यमादरान
सभनल उलवरी–बगला
सफाल–फिटकरी
सफेदज मरज–चौलाई
सफेद आव–सफेदा कासगरी
सफेदाज–सफेदा काशगरी
सफ्तालू–आड़ू
सबूस–भुसी
समर उल असल–छोटी माँई
समग–गोंद बबूल
समउलफार–संखिया
अमरषासा–अञ्जीर
समरा–कीकर
समसम–तिल
समक लरोबां–झींगा मछली
समाक–तंतरीक
सरशीर–मलाई
सरवक–खटमल
सरेशममाही–सरेश मछली का
सरेशम–सरेश
सलखउल हय्या–साँप केंचुली
सलक–चुकन्दर
सलज–वर्फ
सलातीन–जमालगोटा
सलीखा–तज
सवारा–इमली
सवेयमानी–फटकरी
सर्षप–सरसों
स्फानख–पालक
स्याहतरा–पित्तपापरा
स्याहदाना–कलौंजी कालादाना
साखत–अरहर
साज–साखू
साजज–तेजपात
सादकोनी–मोंथा
सामाख–सामा धान्य
साल–सालू
सालब–लोमड़ी
सास–खटमल
सितारह जमीन–अबरख
सिब्रसकूतरी–एलवा

सिब्र-एलुवा
सिंगरफ-ईंगुर
सीमाव-पारा
सीह-दरमना
सुर्ख माइसा-वनपुश्ता
सुद्दाव-तितली नामक जड़ी
सुद्दावबरी-तितली के बीज
सुल्तानउल अशनर-सिर्स
सुर्व-सीसा धातु
सूनमार-गोह
सेलान-उन्नाव
सैर-लहसन
सेर दश्ती-जंगली लहसन
सोनीज-कलौंजी
सोम-लहसन
सोरञ्जान मर-कड़वा सूरञ्जान
सोरञ्जानहुलू-मीठा सूरञ्जान
सोसन-जम्बक
सोसन अस्मानजू-सीसन
संगयूहूदा-यहूद पत्थर
संगचकमाक-चकमक पत्थर
संगआतिश-चकमक पत्थर
संगसरेमाही-मछली के दांत
संगयशब-हरा पत्थर
सँगसिकन-लक्ष्मणा
संगवसरी-एक धातु है
संगबसरी-खड़िया मिट्टी
संग पुश्त-कछुवा
संगदान-पथरी
संगआहरुबा-कुम्बक
संजर-झरबेरी
संदल-सफेद चन्दन
संदल सुर्ख-लाल चन्दन
संदल अवैंज-चन्दन सफेद
संदअ अहमर-रक्त चन्दन
संबुलतीब-जटामांसी
संबुल-जटामांसी
संबादा-कुरंड

[ह]

हजरातबल्लौर-बिल्लौर
हजाउल अराबी-मंगजराहत
हजारया-कनखजूरा
हजत-चकोर
हजरुलनूर-तारामुखीरौप्यमाक्षिक
हर्फ-सरसों
हफ्तबर्ग-सप्तपर्ण
हमस अजखर-चना
हमहम अहमर-तोदरी सुर्ख
हमजज-चूका
हमाज-चूका
हमल-कबूतर
हमल उलमतूका-पंडक चिड़िया
हमाहम-कुलफा
हया-साँप
हलबा-मेंथी

हलीयून–नागदौन के बीज
हलेला–हर्र
हलेला जर्द–पीली हरेड़
हलेला स्याह–काली हरड़
हलेला काबुली–काबुली हरड़
हबउल रमान–अनारबीज
हब लकतन–बिनौला
हब उल सफरजल–बिहीदाना
हबउलकम–भिलाबा.
हबउलकलव–भिलावा
हबबिलसां–बिलसां के बीज
हबउलगलव–खिरनी
हबबकरजलबी–सुरागाय
हबकबुस्तानी–कुलफा
हबसुल्तानउलअसरजार–सिरसबीज
हब्बुलनील–कालादाना
हब्बुलकर्तुम–कुसुम
हब्बुल असफर–लता कस्तूरी.
हब्बुलवान–बकाइन के बीज
हब्बुल खिजरां–बुन
हब्बुल समना–चिरौंजी
हब्बुल हबल–खिरनी
हब्बुल्लास–छधरह के बीज
हब्बुल जबीब–मुनक्का
हाफिज अतफाल–फर्फियून
हाफिज उल अहबाब–शिलारस
हाशीश–किरमली के बीज
हिन्दबाय–कासनी
हिन्दवाय–तरबूज
हिना–मेंहदी
हीउल आलम–कुलफा
हीले कलां–इलायची बड़ी
हीले खुर्द–इलायची छोटी
हुज्रउलनार–चकमक पत्थर
हुज्रउल समक–संगसरेमाही
हुज्रउलतूत–संगसरेमाही
हुज्रउल यहूद–संगकदुदाना
हुज्रउल यशफा–संग यशब
हुज्र मकनातीस–चुम्बक
हुस्न यूसूफ–किरमली के बीज

प्रथम अध्याय

इस अध्याय में चौदहों दर्जों को कुछ थोड़ी सी औषधियां दर्जों के हिसाब से अलग-अलग लिखी हैं

दवायें गर्म पहले दर्जे की—लादन, चना, राख, शाहतरा, एलुवा, बाबूना, अलसी, कौड़ी, सीप व शतावर वगैरह।

दवायें गर्म दूसरे दर्जे की—कुन्दर, अजमोद, मस्तगी, तुलसी, शहद, जाफरान, सोड़ा, नमक, गंधक, चिरायता, तुख्म उटंगन, मेंथी, बिलसां, जरावन्दगर्द, जराबन्ददराज, करेले का उसारा, कादर वगैर:

दवायें गर्म तीसरे दर्जे की—दोनामरुवा, मूली, रमजसी. स्पन्द, पुरानी शराब, आकाशबेल, तज, अजवाइनदेशी, पोदीना, तितलीतरी की, मुनमुना, तगर, तुख्म रामतुलसी, करफ्स, कौड़ी, लगनाअ, कपड़ा पश्मीने का जला हुआ, बाल जले हुये वगैरह।

दवायें गर्म चौथे दर्जे की—तितली खुश्की की, लहसुन, प्याज, समुद्रफेन, गन्दना, कुल जली हुई चीजें और कुल दुधारी घासों का दूध फरफियून, करम यानी अंगूर का झाड़, विष यानी संखिया वगैरह।

दबायें सर्द पहले दर्जे की—खजूरतर, कीकर का उसारह, बाजरा खशखाश, वर्ग बनफ्सा, काकनज, निशास्ता कासनी, नील, सिंगरफ का मैल, अमरूद, तावे का बुरादा, बलूत, बांस के पत्ते, मुर्दर, दही का तोड़, मामस्या, फिटकरी, तुर्श, बिही वगैरह

दबायें सर्द दूसरे दर्जे की—खर्बूजा, उस्बगोल, कच्चा जैतून, हरा माजू, कद्दू, बारतंग, माश, खीरा, ककड़ी, चौलाई का साग, सफ्तालू, तुरंजके बीज, रागा, नतरून समाक याने तितरोक वगैरह।

दवायें सर्द तीसरे दर्जे की—खुर्फे का साग, लोविये का साग, चूका तुरंज, सदाबहार, खशखाश स्याह, गुलनार, लालसाग, शाहवर्ग यानी लफाह, शिलाजीत, फेनछत्र वगैरा।

दवायें सर्द चौथे दर्जे की—अफयून, धतूरा, शुकरान, माजरयून, तम्बाकू और उसके बीज, खुरासानी अजबाइन वनपुतका यानी काकनज लक्ष्मणा, लक्ष्मणो, शाहतरे की जड़, दवायें महज्जिज यानी शरीर के हिस्सों को सुस्त करने वाली।

दवायें खुश्क पहले दर्जे की—मुलहैठी, मीठा बादाम, खंकालो यानी विस्कायज, परस्यावशान, खर्बूजे के बीज के छिलके, जाफरान, सोंठ, कुन्दर, अमरूद, गोखुरू, नील की जड़, वाबूना, तुख्म उटंगन, लोवान, सदाबहार, सोंफ, जौ का आटा, अखरोट का गोंद, सोसन, सातर हब्बुलगार वगैरा।

दवायें खुश्क दूसरे दर्जे की—मूली, ऊदबिलाव के खुसिये, बुन, बालछड़, शाहतरा, मस्तगी, शहद, जंगली बैंगन, चायखताइ, नीलोफर की जड़. बिलसां, जरावन्द, तुरफत, चिरायता, तुरंजके छिलके, जावशीर, मकडी का जाला वगैरा।

दवायें खुश्क तीसरे दर्जे की—लहसुन, तगर, रन्दनी, आकाशबेल, हींग, गुलनार, चना, तज, सिर्का, दोनामरुवा, जामन, जोजबोया सातर बलूत, जोफाय खुश्क, कीकर का उसारह, चूका, खार, तुरंज, अजवायन, कलोजी, तितली, सुर्मा, केकड़ा जला हुआ, बाल जले हुये तंनरीक, कायफल, ऊदसलीव वगैरा।

दवायें खुश्क चौथे दर्जे की—राई, तितली जंगली, गंदना के बीज अफयून, धतूरा, अंगूर की झाड़, जिवयून, कतरान यानी लखु वगैरा।

दवायें तर पहले दर्जे की—तोदरी, काहू, गावजवां, पालक के बीज, शफतालू, रोगनगुल, चिरौजी, बनफ्सा, सोसन का उसारह, कल्ला यानी अञ्जीर, बादाम, खसियेतुलसालव वगैरा।

दवायें तर दूसरे दर्जे की—चौलाई का साग, लोबिये का साग खबूंजा, तबूंज, खुबानी, अस्सगोल, परवल, तुरई, खीरा, नारंगी, शरीफा, आलूबुखारा वगैरा।

दूसरा अध्याय

इस अध्याय में औषधियों के उन गुणों के अर्बी नामों का वर्णन है जो यूनानी वैद्यों के प्रति दिन के वर्ताव व महावरे में आ रहे हैं।

१—नाम अर्बी—पकाल—

उल्था—अजूं को खा जाने वाली।

बयान तफसीली—ब वजह तेजी-कुब्बत जला, तहलील के अजजाये जौहर अजू को फना कर देती है।

नाम दवा—जंगार, अंजरूत यानी लाई, नमक, शनान यानी चौक, सिंदूर, सीपीजलीहुई, तूतिया, तांबा, चूना, मुर्दासंग, वग़ैरह।

२—नाम अर्बी—जांजब

उल्था—खेंचने वाली

बयान तफसीली—बवजह गर्मी, लताफत के खिलत व रतूबत को अपने पास या जाहिर जिल्द की तरफ खींच लाती है।

नाम दवा—ऊद बिलाव के खुशिये, शाफशिया, और बाज-शैकवी जाजब है कि गांसी को अन्दर से निकालती है। जैसे—कौड़ी या घोंघे का गोश्त।

३—नाम अर्बी—जाली

उल्था—जिला करने वाली और पाक करने वाली।

बयान तफसीली—जिल्द या सतह जाहिर हिस्सों से लसदार रतूबत को छील के पाक औररोशन कर देती है।

नाम दवा—लाई, शहद, सोरह, नमक, मिश्री, हरताल, जफ्त बिलसां के बीज, ओहीरा, बनफ्सा की जड़ यानी ऐरसा।

४—नाम अर्बी—जामिद

उल्था—जमा देने वाली

बयान तफसीली—पतले खिलतों को गाढ़ा व सख्त व दस्तावर कर देती है।

नाम दवा—मोम, खरिया, कतीरा, निशास्ता, गेरू, मुलतानी मिट्टी, समगअर्बी।

५—नाम अर्बी—हालिक व हलाक

उल्था—बाल मूड़ने वाली।

बयान तफसीली—तेजी के सबब बालों को सुस्त करके उखाड़ती या उखड़ने पर आमादा कर देती है।

नाम दवा—नूरह, हरताल, चूना, सफेदा और राख।

६—नाम अर्बी—हकाक व महक्किक।

उल्था—खुजली पैदा करने वाली।

बयान तफसीली—ब वजह तेजी व गर्मी के गाढ़ी खिलतों को मुसाने की तरफ खींचती और चर्म में खुजली पैदा करती है।

नाम दवा—उटंगन, रजलबेल यानी कवीकंज, लक्षपतियाघास मिश्कदाना के पत्ते, खैरी के पत्ते, भिन्डी के पत्ते वगैरा।

७—नाम अर्बी—खातिम।

उल्था—पूरा करने वाली।

बयान तफसीली—जख्म को खत्म करे, बजह खुश्की के खुश्क करती और खुरण्ड बांध देती है।

नाम दवा—अञ्जरूत यानी लाई, चूना धोया हुआ, तूतिया, एलुवा, सीपी जली हुई, घीकार वगैरा।

८—नाम अर्बी—दाविक:

उल्था—चिपकने वाली।

बयान तफसीली—सबवलहस के हाथ में चिपकती है।

नाम दवा—दलक यानी मवीजक असली, सरेस, लाख वगैरा

९—नाम अर्बी—दफ खुमार।

उल्था—नशे को दूर करने वाली।

बयान तफसीली—ब वजह मना करने तबखीर के नशे को दफ़ करती है।

नाम दवा—गुलाब का फूल सूंघना, खट्टा अनार, अर्क लीमू, अर्क गुलाब, शर्बत कन्द का।

१०—नाम अर्बी—दैअ।

उल्था—लुटा देने वाली मुकाबिल जाजिब के।

बयान तफसीली—ब वजह कुव्वत कब्ज के ओर सर्दी के सियाले खिलतों को अजू मावफ पर गिराने न दे और अजू मावफ को महफूज रक्खे।

नाम दवा—मकोय, अस्पगोल, गुलनार, छालिया, धनियां, खतमी, अलसी, मुलतानी मिट्टी, गेरू, अलतास वगैरा।

११—नाम अर्बी=आसः।

उल्था—निचोड़ने वाली।

बयान तफसीली—ब वजह शिद्दत कब्ज व कसेलेपन के अजू को समेटती और पतली रतूबत को निचोड़ती है जो कि अजू में है

नाम दवा—इमली के चिये, हैड, आमला, फली बबूल की अनार के छिलके और उसकी छाल, जामुन की गुठली वगैरा।

१२—नाम अर्बी—गुसाल।

उल्था—धो देने वाली।

बयान तफसीली—ब वजह कुव्वत जिलाके अखलात की सतह अजू से धो देती है, इसका सयाल होना लाजिम है।

नाम दवा—नीम गर्म पानी, आशजौ, शहद धुला हुआ पानी वगैरा।

१३—नाम अर्बी—कातिल।

उल्था—मारडालने वाली।

वयान तफसीली—अपनी मुखालफत व जदियत की वजह से कवी व रूह हैवानी व नफ्सानी व तबई को फना करती और हलाक करती है।

नाम दवा—अफयून, फरफ्यून, विष, संखिया, सीगिया जहर हीरा, पारा, शेर की मूंछ के बाल वगैरह।

१४—नाम अर्बी—कातिलात दूद

उल्था—पेट के कीड़े मारने वाली।

वयान तफसीली—यह दवा पेट के कीड़े मारती है।

नाम दवा—वायदरंग काबुली, कमीला, कलौंजी, पोदीना, जूफायेखुश्क, शफ्तालू के पत्ते, मरुबा, तुरमस।

१५—नाम अर्बी—काबिजात

उल्था—रोकने और बन्द करने वाली।

वयान तफसीली—व वजह बोझैल होने या खुश्क होने या कसेलेपन के तबियत को बन्द कर देती है

नाम दवा—तुरंज, मुर्ग की संगदान, जुफ्त बलूत, पिश्ते का छिलका, जरिश्क हब्बुलास बाकला, तुरमस, बंशलोचन, हीरा-दोखी यानी दम्बुल अखबीन, गुलनार, सिमाक, मसूर, वारतंग, जराकस यानी अजखर, जामुन की गुठली, आम की गुठली, मस्तगी, चना, चावल, मांई, माजू वगैरह।

१६—नाम अर्बी—कासिर

उल्था—छिलका उतारने वाली।

वयान तफसीली—वजह शिद्दत जिला के अजू को साफ करे और छिलका उतारे।

नाम दवा—कूट, जराबन्द, जौवरयान, काले तिल, खशखाश वगैरह।

१७—नाम अर्बी—कावी

उल्था—दाग देने वाली

बयान तफसीली—सबब तेजी व सोजिस और खुश्की के अजू में दाग करे और जला हुआ करदे।

नाम दवा—सफेदा, फिलकतार, अदरख, लहसन, तेजपात वगैरह।

१८—नाम अर्बी—कारिहुलरियाह

उलथा—रियाह दफै करने वाली

बयान तफसीली—रियाह गलीज को पतला और तोड़ के वजह हरारत को दफै करता है।

नाम दवा—तितलीके बीज, अदरख, सोंठ, नमक स्याह, सोंफ पोदीना, अजवायन, मकोय, जीरा, चूका, हैड़ का मुरब्बा वगैरा

१९—नाम अर्बी—लाफिअ व मकतअ

उलथा—खराश करने वाली

बयान तफसीली—वजह शिद्दत गर्मी व तेजी व कुव्वत नफूज के अजू को खराश करती है।

नाम दवा—सिर्का लीमू, नमकशोरा, राइ, जामुन का तेजाव

२०—नाम अर्बी—लजज

उलथा—चिपकने वाली

बयान तफसीली—वजह खुश्की व लहस के अजू से जुदा न होवे

नाम दवा—खुब्बाजी, वाज किस्म की मछली, मसूर, चावल, मोगरा वगैरा

२१—नाम अर्बी—मानआत अहलाम रवी

उलथा—ख्वाब परेशान को मने करती है।

नाम दवा—दरबंज, खूर्फा, अकरकरा, सोना, बिल्लोर पत्थर, जीत की लकड़ी गले में लटकाना, फिटकरी सिरहाने रखना।

२२—नाम अर्बी—मानआत नजफुलदम व नफसुलदम व इसहालुलदन

उलथा—खून बहने और खून मुँह से आने और खूनी दस्तों को मना करने वाली।

वयान तफसीली—अजू की खुश्की के सबब रगों में सुद्दा पैदा करके और अन्दरूनी जख्मों में खुरण्ड लाके लून के जारी होने को बन्द करने वाली है

नाम दवा—हीरा दोखी, मस्तगी सूखाधनियां, जरिस्क, रसौत जीरा, काफूर, पौदीना, बीजअंजवार गेरू, जुफ्तबलूत, सुर्मा,बार तंग, कहरुवा, निशास्ता, अजवायन खुरासानी, गुलनार, कुन्दर, माजू, रेशावरगद, रेबन्दचीनी, छोटीमांई, जंगली तुलसी वगैरा

२३—नामे अर्बी—मवर्रद।

उल्था—सर्दी करने वाली।

वयान तफसीली—अपनी सर्दी के सबब ऐजा को सर्दी पहुँचाती है।

नाम दवा—काफूर, काहू, सन्दल, गुड़हल का फूल, नीलोफर, खुशबूदार मिट्टी वगैरा।

२४—नाम अर्बी—मवही

उल्था—कुव्वत वाह वख्शनेवाली

वयान तफसीली—वजह मातदिल गर्मी और फालिज रतूवत के पट्ठों में रियाह गलीज और माद्दा रजुलियब को पैदा करती और कुव्वत वाह वख्शती है।

नाम दवा—सोंठ, कचूर, छुहारा, तीतर, बटेर, मुर्ग, बेजा, गोंरिया का मगज व अंडे, अंगूर, गाजर के बीज, कालेतिल, जावित्री, शलगम, वकरी का गोश्त, कतोरा, दारचीनी, मगजबादाम अखरोट की मगज, चिलगोजा, वाकला, पनीर माया शुतर, हींग, पिस्ता, जुन्दवेदस्तर, खस्ताअलसालब, कुलींजन, बर्बरी तज, कूठ चना, वन्दक, लोबिया, सकनकूर, शतावर, गोखुरू, वहमनसुर्ख, सफेद, मूसली स्याह व सफेद, तोदरी जर्द व सफेद, खोपरा, प्याज के वीज, मूली के बीज, सेमल की मूसली, खशखाश मुश्क, मोती, अम्बर वगैरा।

२५--नाम अर्बी-मुजफ्फफ

उल्था--खुश्की करने वाली।

बयान तफसीली--वजह अपने खुश्क होने के ऐजा की रतूबत खुश्क व तहलील कर देती है।

नाम दवा--सीपी जली हुई, छुहारे की गुठली जली हुई, लाई, मुर्दासंग, संगजराहत, एलुवा, चूना धोया हुआ, तूतिया, छड़ीला

२६--नाम अर्बी--मोहर्रिक

उल्था--जलाने वाली

बयान तफसीली--वजह कुव्वत नफ्ज व कवी गर्मी के अजू की रतूबत को दफा कर जला देती है।

नाम दवा--फर्फियून, हरताल, चांदी का तेजाब, जंगार, तूतिया, चूना, तूरह, आग, मदार का दूध वगैरा।

२७--नाम अर्बी-कुहल्लमात रहिया

उल्था--बुरा ख्वाब करने वाली

बयान तफसीली--वजह तवखीर के ख्वाव परेशानी दिखाती है

नाम दवा--बहुत शराब पीना, कच्ची प्याज खाना, आलू की तरकारी, बैंगन, बाकला, गन्दना, लोबिया, गोभी, मसूर वगैरा।

२८--नाम अर्बी-मेहल्लिल

उल्था--जजूजजू फना कर देने वाली।

बयान तफसीली--वजह अपनी कुव्वत हरारत के लसदार खिलतों को जो अजू में चिपका है बजारये बुखारात के यानी बुखारात बनाकर एक २ जजूं को फना कर देती है।

नाम दवा--जराबन्द दराज व गर्द, दौनामरुवा, ऊदबिलाव के खुसिये, नाखूना, चमेली की पत्ती, नरगिस, कस्तनी, भटबांसयानी तुरमुस, बाबूना, खतमी, अम्बरवेद, परसियां बसात, तगर, कन्दमार, बज यानी ओज, पोदीना कोही, करेला इश्क यानी कांदर प्याज जंगली, जवाशीर, अरंड, गाफिस, जुफ्त, समगबलम, लादन हाशा, जराकश, बाकला, राई, हल्दी, गुलखेरू, दालचीनी, केकड़ा, सोया, मकोय, सब्ज वगैरा।

२९--नाम अर्बी-मुहम्मिर

उल्था—सुर्ख करने वाला और अक्सर उससे रुखसार के सुर्ख करने वाली मुराद होती है।

बयान तफसीली—व वजह गर्मी और कुव्वत जजब अपनी के अजू के जाहिर को सुर्ख कर देती है।

नाम दवा—राई, पोदीना, अंजीर, लाले का फूल, नारंगी के छिलके, छड़ीला, वालछड़, जराकस, दारचोनी वगैरह।

३०—नाम अर्बी-मुहज्जिर

उल्था—बहोश करने वाली

बयान तफसीली—व वजह अपनी सर्दी व खुश्की व कुव्वत कब्जके मसामात व मजारी को कसीफ करके रुहके नाफिज होने को मना करे या खुद रूह को कसीफ करे, हस व हरकत से बाज रक्खे।

नाम दवा—अफयून, स्पन्द, कुचला, शाहतरा की जड़, तमाखू के पत्ते, तमाखू का बीज, कन्दर, सूकरान, लौंग, धतूरा, अजवायन खुरासानी पटकूवा यानी काकनज, लक्ष्मणा, लक्ष्मणी वगैरा

३१—नाम अर्बी-मुखरजात जनमन व मसीया

उल्था-–बच्चा निकालने व पैदा करने वाली

बयान तफसीली—यह दवा है कि बच्चा जल्द व आसानी से पैदा करती है।

नाम दवा—कंकोल मिर्च यानी अवहल का आमला, जराबन्द, अलसी, तज, कालीमिर्च, बोजोदान, परशियावशान, कुटकी, कालाजीरा यह सब या बाज लत्ता में लत करके मुकाम मखसूस से रखना, मोजू या कलौजी पीसकर पीना, हरी मेंहदी व बाँस के पत्ते पकाकर पीना, हल्लास के छिलके पकाकर पीना वगैरा

३२--नाम अर्बी-मखशन।

उल्था—खुरखुरा करने वाली।

बयान तफसीली--ब वजह कुब्बत कब्ज व खुश्की के अजू के सतह जाहिरी को खुरखुरी यानी नशेब व फराज कर देती है।

नाम दवा--राई, अकलीलुलमलक यानी नाखूना, आंवला, जामुन की गुठली, इमली के चीये, भिलावा आम की गुठली वगैरा

३३--नाम अर्बी-मदगत।

उल्था--पेशाब या हैज या मनी या दूध या पसीना जारी करने वाली।

बयान तफसीली--ब वजह खफीफ गर्मी और सुबकी व लताफत के गिजा की माहियत का फुजलासिय ल को दफै करती है।

नाम दवा--कंकोलमिर्च, मुलहठी, रन्दनी, बाबूना, परशियावशान, तितली, सोंफ, दारचीनो, बज, कबाबा, ऊद बिलाव के खुसिये, ऊदसलीब, अजमोद वगैरह।

३४--नाम अर्बी-मदरात बारदहे बोल।

उल्था--पेशाब लाने वाली सर्द चीजें।

बयान तफसीलो--सुबकी और सर्दी की वजह से मायउल को पेशाब को राह दफै करती है।

नाम दवा--गोखुरू, खीरा व ककड़ीके बोज, गुलखेरू, कासनी का रंग, खुरफे के बीज, चिरचरह के बीज, लौकी का पानी, खीरे का पानी, तबूंज का पानो, कासनी के बीज, आस जो, लीमू का अर्क, शोरा, पटकुबा यानी काकनज।

३५--नाम अर्बी-मुदरात हारहे बोल।

उल्था--गर्मी से पेशाव लाने वाली चोजें

नाम दवा--गाजर के बीज, परशियावशान, बालछड़, अमलतास, सोंफ, कबाबचीनी, कूठमीठा, जाफरान, तज, रन्दनी, जूफायेखुश्क, तितली, तगर, बिलसां, कंकोल मिर्च, अजमोद, कड, कलोजी, पोदीना, अजवायन देशो, खुबाजी वगैरह।

३६--नाम अर्बी-मुदरात हैज।

उल्था--हैज जारी करने वाली।

बयान तफसीली—व वजह लताफत व खुश्की व गर्मी के घून बस्त: वगैर मातदिल को मातदिल व पिघला कर बराह कल्ब निकालती और गिरानी को दफै करती है।

नाम दवा—परशिया वशान, कबाबचीनी, तज, बाबरंगकाबुली कलौंजी, कंकोलेमिर्च, कूठमीठा, स्पन्द, जंगली तुलसी पखानभेद, अगर, जावित्री, जाफरान, बाबूना, जूफाये खुश्क, चनेका जलाल सुगंधवाला, तितली, अमलतास के छिलके, नागरमोंथा नमाम, अजमोद, छड़ीला, दोनामरुवा, अजवायनदेशी, भटबांस, बुन, ऊदसलीब, फरास्यून वगैरा।

३७—अर्बी नाम—मदरात मनी।

उल्था—मनी को जारी करने वाली।

बयान तफसीली—मनी को पतला करके और उसका रस्ता खोल कर जारी करती है।

नाम दवा—अजमोद, आकाशबेलू, सोंफ, भटबांस, दरमुना, तुरकी वगैरा।

३८—नाम अर्बी—मुदरात लबन।

उल्था—दूध जारी करने वाली।

बयान तफसीली—व वजह रतूबत फजलो के दूध पैदा करती और बहाती है।

नाम दवा—सतावर, मूसली स्याह व सफेद, सफेदतिल, बबूल का गोंद।

३९—नाम अर्बी—मन्दमल।

उल्था—जखम भर लाने वाली।

बयान तफसीली—जख्मी की रतूबत को खुश्क करके सही गोश्त भर लाती है और कड़ा करती है।

नाम दवा—संगजराहत, सुर्मा, राजावर्द, गोंद कतीरा, आलू, ऐलुवा, गुलनार, मुबाबादल, लाई, सफेद कत्तीज, सफेद मोंम, जराबन्द, गाय का घी धोया हुआ, स्याह जीरा, राल, मुल्तानी मिट्टी, बीरतंग का रंग।

४०—नाम अर्बी-मुरक्बी ।

उल्था—अज़ू को सुस्त करने वाली ।

बयान तफ्सीली—अपनी कुव्वत हरारत व रतूबत की वजह से ऐजा और उनके मसाम को नर्म करती है ।

नाम दवा—सारवा, अल्सी, खत्मी, करमकल्ले के पत्ते, बेदाना रोगनगुल ।

४१—नाम अर्बी-मुरत्तिब ।

उल्था—ऐजा को तर करने वाली !

बयान तफ्सीली—अपनी कवी रतूबत की वजह से ऐजा को तरी बख्शती है ।

नाम दवा—लौकी, खर्बूजा, अस्पगोल, दूध गाय का, मूसली कतीरा, खीरा, तुरई, भिण्डी वगैरा ।

४२—नाम अर्बी-मुरक्किक ।

उल्था—खिलतों को पतला करने वाली ।

बयान तफ्सीली—व वजह तेज व लतीफ हरारत रतूबत के खिलतों को नर्म और पतला करती है ।

नाम दवा—शहद, सिर्का, शकर, पोदीना का अर्क वगैरा ।

४३—नाम अर्बी-मुजल्लिक ।

उल्था—फिसलन पैदा करने वाली ।

बयान तफ्सीली—अज़ू बातनी के सतह अन्दरूनी को नर्म और मुलेयन करके माद्दे खिलती को दफअ करती है ।

नाम दवा—आलू बुखारा, पुरानी इमली, तुख्मरेहां तुरंजबीन, वगैरा ।

४४—नाम अर्बी-मुसद्दिद ।

बयान तफ्सीली—अपनी कसाफत व खुश्की की वजह से मुजारी व मसाम को बन्द कर देती है ।

नाम दवा—खशखाश सफेद, जामुन की गिरी, अस्पगोल कुटा हुआ, अजवायन, सोरंजानतलख, इमली चिये वगैरा ।

४५—नाम अर्बी-मुसरात सकर ।

उल्था—जल्द नशा लाने वाली ।

नाम दवा—कड़वा बादाम, जाफरान, जाबित्री, छड़ीला, भंग वगैरा ।

४६—नाम अर्बी-मुसक्किन ।

उल्था—दर्दों को तस्कीन देने वाली ।

बयान तफसीली—दर्दों को तस्कीन देता है, और अखलात व अरवाह को हरकत गैर तबई से बाज रखती है ।

नाम दवा—अफयून, बतख की चर्बी लक्ष्मणा की जड़, मुर्गी के के अंडे की सफेदी, निशास्ता, कतीरा, गोंद बबूल वगैरा ।

४७—नाम अर्बी-मुसब्बत ।

उल्था—खूब नींद लाने वाली ।

बयान तफसीली—ऐजा को नफसानी वेहस करती और नींद पैदा करती है ।

नाम दवा—मुरहठी, अस्तरक, जाफरान, सोडा, काहू, सेव, तुलसी, गुललाला, पोदीना कोही (पहाड़ी) वगैरा ।

४८—नाम अर्बी-मुसम्मिन ।

उल्था—बदन को फरबह करने वाली ।

नाम दवा—खूबकलां, चावल, आम, मक्खन, दूध, केलावगैरा ।

४९—नाम अर्बी-मुसहिर ।

उल्था—नींद के गलबे को दूर करने वाली ।

नाम दवा—चाय, सिर्का, राई, कालीमिर्च, मुश्क सूंघना, नयक अयारज फँकरा, काफूर सूंघना, लौंग, पोदीना वगैरा ।

५०—नाम अर्बी-मुसहिल सफरा ।

उल्था—दस्त लाने वाली पितों को ।

बयान तफसीली—फासिद खिलतों और रद्दी फुजले को अज-राह दस्त दफै करती है ।

नाम दवा—आलूबुखारा, पुरानी इमली, पीलीहैड़, गुलबनफ्सा गुलसुर्ख, सनाय के पत्ते, तुरञ्जबीन, शीरखिश्त, अ काशबेल, अमलतास की फली, मुहमूदा, शातरा, एलुवा, इश्कपेचा वगैरा।

५१—नाम अर्बी-मुसहिलात बलगम।

उल्था—दस्त लाने वाली बलगम के।

नाम दवा—इन्द्रायनकी जड़, गारिकोन, नसवत सफेद, इस्पन्द, नील के बीज, माहीजहरा, सोंठ, रेंडी की गिरी, गूगल, रेंडी का तेल, अमलतासकी फली, जमालगोटा, करेला, कलौंजी, सोरंजान शीरीं, रेबन्दचीनी, माहूदाना, लोफाय खूर्द व बजुर्ग, बिस्फायंज शकाई।

५२—नाम अर्बी-मुसहिलात सौदा।

उल्था—दस्त लाने वाली सौदा के।

नाम दवा—अकाशबेल, दहारू, आमला लाजवर्द, संगअरमनी काबुलीहैड़, कालीहैड़, सनायमक्की, बिस्फयज, कसूस, गारीकून, नील के बीज, रेवन्द खताई, अयारज फैकरा।

५३—नाम अर्बी-मुसहिलात बलादत।

उल्था—जल्द बजाअ हमल करा देने वाली।

बयान तफसीली—बजह शदीद कब्ज के या दस्तावर होने के बच्चे को जल्द पैदा कराती है।

नाम दवा—गूगल, तज, गुलनार, इन्द्रायन का परदा, नीलोफर की जड़, मेंथी, वारतंग का उसारा, काली खशखाश का तर किया हुआ कपड़ा रखना, दारचीनी खिलाना, दाहिनी रान में मूंगा बांधना, बांये हाथ में चुम्बक पत्थर देना।

५४—नाम अर्बी-मुश्तही।

उल्था—भूक पैदा करने वाली।

बयान तफसीली—वह दवा है जिसके इस्तेमाल से भूख लगती है और खाने की ख्वाहिश मालूम होती है।

नाम दवा—लीमू का अर्क, तुरञ्जका छिलका, सिकंजबीनसफर-जली, सिर्का, जरिश्क, लीमूका पोश्त(छिलका) कालीमिर्च, सांभर नमक, मस्तगी, खोलंजान यानी कुलीजन, सर्द पानी, छोटी इलायची, ऊँटनी का दूध।

५५—नाम अर्बी-मुसद्दा।

उल्था—सिर दर्द पैदा करने वाली।

बयान तफसीली—वजह तफखीर के सरदर्द पैदा करती है।

नाम दवा—अजफ़ारुल तैब यानी नख की धूनी लेना, खुरासानी अजवायन, लोबान, गंदना, सोया, लहसुन, प्याज, मसूर, मेंथी, अलभी, खाकसी, तुरंज, तूत, रन्दनी, पालक साग, जराकस गुलखैरू, मूली, बैंगन, चकोर का मांस, बलूत, जोजबोया (नारियल) गुलनार, रामतुलसी।

५६—नाम अर्बी-मुसल्लब।

उल्था—सख्ती करने वाली।

बयान तफसीली—जो हर अजू या मवाद को ब वजह कसाफत के सख्त कर देती है।

५७—नाम अर्बी-मुसल्लह।

उल्था—इसलाह करने वाली।

बयान तफ्सीली—खाने और पीने या जरर दवा की इसहाल करती है।

नाम दवा—जाफरान, कतीरा, शहद, यह दवाइयां अमूमन अक्सर दवाइयों की इसहाल करती है और हर दवा गिजा की मुसल्लह जदवल मुफर्दात में मजकूर है।

५८—नाम अर्बी-मुजिर्रात बाह

उल्था—बाह को जरर करने वाली।

नाम दवा—रामतुलसी, कासनी काहू, धनियां, मकोय, कच्चा लहसुन, नीलोफर की जड़, उन्नाब, बनफशा की जड़, कूट, काली खशखाश, चौलाई का साग, चूका, काफूर, इमली, आलू बुखारा, लीमू, मोम, नमक ठण्डा पानी।

५९—नाम अर्बी-मुजिर्रात बसर।

उल्था—बीनाई का जरर करने वाली।

नाम दवा—मसूर खुर्फा साग, चूका, काहू, चिड़चड़ा, यंदना जमाअ (विषय) बहुत करना, धूपखाना, आग के पास बैठना, चमकदार चीजों की तरफ बहुत देखना।

६०—नाम अर्बी-मुजिर्रात जिगर।

उल्था—जिगर यानी कलेजे को जरर करने वाली।

नाम दवा—खजूर, अञ्जीर, नारंगी, सिर्का, शहद, काली हरड़ जावित्री, सर्द पानी, बकायन, कायफल।

६१—नाम अर्बी बुजिर्रात असान बिलशा।

उल्था—दाँतों और मसूड़ों को जरर करने वाली।

नाम दवा—खासकर ऊँटनी का दूध, मूली, बर्फ का पानी, खट्टी चीजें, चूका, गर्मागर्म चीज खाकर सर्द पानी पीना या कुल्ला करना।

६२—नाम अर्बी-मुजिर्रात दिमाग।

उल्था—दिमाग को जरर करने वाली।

नाम दवा—हत्था जोड़ी, हींग, खशखाश, आलू बुखारा, ऊँट-कटारा, हरड़ काबुली, तम्बाकू, सरसों।

६३—नाम अर्बी-मुजिर्रात रिम।

उल्था—फेफड़े को जरर करने वाली।

नाम दवा—सुगन्धवाला, कुलत्थ के बीज, शाहतरा, पहाड़ी पोदीना, बादआवरद, वनपसा की जड़, संग अफांतेस वगैरा।

६४—नाम अर्बी-मुजिर्रात।

उल्था—माद्दे को जरर करने वाली।

नाम दवा—तिल, मसूर, आश जो, हालम के बीज, आलूशीरीं उन्नाव, अदरक, खार, अञ्जीर, साफिशा, छड़ीला, कच्चे अंगूर, हमामा, पनीर, गर्म पानी, गाय का घी, शीरीनी वगैरा।

६५--नाम अर्बी–मुत्तफी।

उल्था—तेजी व गर्मी को बुझाने वाली।

बयान तफसीली—ब वजह सर्दी जायद और रतूबत की गरमी व सोजिश को दफ करती है।

नाम दवा—काफूर, काहू, मगज कद्दू, नीलोफर, काई, दर्याई-नारियल, बर्फ, पालक के बीज, खीरे का पानी, कद्दू का पानी, सर्द पानी वगैरा।

६६—अर्बी नाम–माद्दलात व मुसफ्फियात खून।

उल्था—खून को मौतदिल और साफ करने वाली।

बयान तफसीली—व वजह लतीफ सर्दी व तरीके खून को मौतदिल लकवाम (पाग) करती है।

नाम दवा—तुख्मकाहू, कासनी के बीज, आलूबुखारा, ब्रह्मदण्डी आवनूस की लकड़ी, नीम के पत्ते व शीशम के पत्ते व लकड़ी, नीलोफर के फूल, गुलबनफ्सां, शर्बत संदल, गाजर का शर्बत, अर्क सौंफ, गुल सुर्ख, अर्क लीमू, सिकंजवीन, शर्बत उन्नाव वगैरा

६७—अर्बी नाम—माद्दलात सफरा।

उल्था—सफरा को मौतदिल करने वाली।

नाम दवा—कासनी, खुर्फे के बीज, अस्फगोल, तुख्म खयारेन, धनियां, सफेद संदल, तुख्म काहू, काफूर, वेहदाना वगैरा।

६८—नाम अर्बी–माद्दलात वलगम।

उल्था—बलगम को मौतदिल करने वाली।

नाम दवा—सौंफ, रूमी सौंन यानी अनीसुन, जीरा, दारचीनी मुलहठी, इलायची दोनों, मुनक्का, तुलसी, वालछड़, खुब्वाजी, खतमी।

६९—नाम अर्बी–माद्दलात सौदा।

उल्था—सौदा को मौतदिल करने वाली।

नाम दवा—सपिस्ता यानी लहसोड़े, गाजवां, खरबूजे के बीज मुलहठी, आकाशबेल, अञ्जीर, मुनक्का, तुख्म मरु वगैरा।

७०—नाम अर्वी—मअरिक।

उल्था—पसीना लाने वाली।

बयान तफसीली—बन्द रतूबत को मसामात (पसीने) की राह से जारी करती है।

नाम दवा—पानी पीना, बेहद गर्मी।

७१—नाम अर्वी—माअतिस।

उल्था—छींक लाने वाली।

वयान तफसीली—दिमाग के मवाद को हर्कत देके बजरिये छींक के दफै करती है।

नाम दवा—तम्बाकू, नकछिकनी, शीरा बादाम कड़वा, रीठा, नौसादर, दोनामरुआ, हुलास, सोंठ वगैरा।

७२—नाम अर्वी—मअतिस।

उल्था—प्यास लगाने वाली।

वयान तफसीली—व सवव गर्मी और सोजिस के तबियत को मुश्ताक, पानी पीने और हवा खाने को करती है।

नाम दवा—जैसे रुई, गरमी, धूपखाना, गर्म चीजें गोश्त वगैरा।

७३—नाम अर्वी—मआजन।

उल्था—सड़ा देने वाली।

वयान तफसीली—मिजाज अजू और रूह को फासिद करती है

नाम दवा—हरताल, साफसिया, गन्धक का तेल, संखिया, मोर का गोश्त, कच्चा लहसन, कौवा चील का गोश्त वगैरा।

७४—नाम अर्वी—मगरी

उल्था—आंतों में चिपकने वाली

वयान तफसीली—व वजह लहस के रगों व दांतों के मुख में चिपक कर सुद्दा पैदा करती है।

नाम दवा—गोंद, कतीरा, धोया हुआ चूना संगजराहत वगैरा

७५—नाम अर्बी-मगशी।

उल्था—गश्शी (गश) पैदा करने वाली

बयान तफसीली—वजह नफक (अफारे) और रीह के गश्शी पैदा करती है।

नाम दवा—रूमी सोंफ यानी अनीसून, आकाशबेल, जावित्री, गाजर के बीज, संभालू, जावजीर, हमामा, पीपलामूल, जीरा, स्याह, सोंठ, मिर्च, नरकचूर, जराबन्द, तितली, लोबान, अजमोद देशी अजवायन, नागरमोंथा, साबर यानी शअतर वगैरा।

७६—नाम अर्बी-मगजल

उल्था—गाढ़ा करने वाली

बयान तफसीली—खिलतों या अजू और रूह या हवास या मनी या दूध को गाढ़ा करती है।

नाम दवा—कुल साग पात, कुल गोश्त, मीमवरयान, कुलवादी तरकारियां, लमनी, वहमन, तोदरी सफेद व स्याह, मूसली अस्पगोल की भुसी, तालमखाना, सेमल का मूसला, जामुन की गुठली, इमली के चिये वगैरा।

७७—नाम अर्बी-मुफत्तत

उल्था—फोड़ने वाली रीह को रेजे २ करने वाली

बयान तफसीली—संग गुर्दे या मसाना फोड़कर रेजा २ करके बहाती है

नाम दवा—सुगंधवाला, हजरउल यहूद, संगसरमाही, बिच्छू की राखा ग द, आलू, खबूंजे के बीज, काली झांप यानी परशिया वसान, कुन्दर, कड़वा बादाम, गोखुरू, सोंफ, काले चने, कुलथी, नागरमोथा वगैरा।

७८—नाम अर्बी-मुफत्तह

उल्था—खोलने वाली

बयान तफसीली--मुद्दे, आंतों, रगों और मसाने के दाखिली व खारिजी के दफअ करती हैं

नाम दवा--जराकस, शातरा, गारिकून, बादियान रूमी, सतावर, मूरद, बनफ्सा की जड़, कबाबा, अगर, आकाशबेल, बाकला मिस्री यानी तुमुस व हिन्दी भटबांस, सोंफ, सातर, जाविशी, अशमोद, जावशीर, पाखाणभेद, स्पन्द, जीरा किरमानी, देशी अजवायन, हालों, खांकसीं, दारचीनी, जाफरान, बिल्ली लोटन, गाजर के बीज, सोंठ वगैरा

७९--नाम अबी-मुफञ्जज

उल्था--कच्चा रखने वाली

बयान तफसीली--असली गर्मी और खारजी गर्मी को अपने फेल (काम करने से) बाज रखकर खिलत को कच्चा और हजम नाकिस रखती है

नाम दवा--अस्वगोल, तुख्मरेहां वगैरा

८०--नाम अबी-मुफञ्जरात औराम

उल्था--बरम को फाड़ देने वाली

बयान तफसीली--तरी व गर्मी के सबब जिल्द को फाड़ देतीहै

नाम दवा--कांदर यानीजंगली प्याज,, सफेदी, हीरा कसीस हरतल, कबूतर की बीट. हालम, चूना, दूध वाले दरख्तों के दूध कूट, साबुन, रतनजोत, कल्कतार, फर्फियून वगैरा

८१--नाम अबी-मुफरह

उल्था--फरहत देने वाली

बयान तफसीली--अहनी लताफत से तबियत को खुश करती और दिल को कुव्वत देती है

नाम दवा--जाफरान, आबरेशम, लौंग, काफूर, सन्दल सफेद, मुश्क, नख, तज, बालछड़, अमरूद, तुरञ्ज, अनार खट्टा व मीठा, आवला, लीमू के फूल, लीमूका छिलका, मूंगा, मूंगेकी जड़,पान, खंबाली यानी विस्फायज, जहर मुहरा खताई, लाजवर्द, गुलाब के

फूल, पोदीना इमली, बंसलोफन, अगर, माती, नीलोफर के फूल, याक़ूत, यशव, अम्बर, चाँदी, सोने के वर्क, मगज पिस्ता, बहमन सीप, विही, सेव, अंजीर, निर्विषी, बालंगो, दारचीनी, इलायची वग़ैरा ।

८२—नाम अर्बी-मुकत्तरह ।

उल्था—जखम कर देने वाली ।

बयान तफसीली—व सबब तेजी और अधिक गर्मी के जमी हुई रतूबत को तेहलील व फना करके अंजू में जखम पैदा करतीहै

नाम दवा—हरताल, सफेदा, अस्कील, लहसन, प्याज, हालम, कबूतर की बीट, चूना, कूट, पोदीना, साबुन, तितली अफियून, रासन, दुधारे दरख्तों का दूध, रतनजोत वग़ैरा ।

८३—नाम अर्बी-मुसक्की ।

उल्था—कै लाने वाली ।

बयान तफसीली—तीनों खिल्तों (सफरा, सौदा व बलगम) को या इनमें से एक को माद्दे और उसके इतराफ से उभार के कै की राह से निकालती है ।

नाम दवा—मूली के बीज, मूली के पत्तों का साग, मोवे का साग, सोये के बीज, मेंथी, खबूजे के बीज, शहद, सिकञ्जबीन, नमक, शकर, सुर्खराह, कुटकी, कद्दू यानी लौकी का पानी कड़वा ऊँटकटारा, मुनक्की, लक्ष्मनी, खारी नोन, गाय का घी. गर्म पानी, सुर्ख लोबिया वग़ैरा ।

८४—नाम अर्बी-मुकव्वियात बसर ।

उल्था—बीनाई को कुव्वत देने वाली

बयान तफसीली—मुकव्वी उस दवा को कहते है, जो बदन के किसी अजू या रूह को कुव्वत देती है और व सबब लताफत और एतदाल के कवाम व माद्दे अजू को और इसके मिजाज को मोतदिल करती है ।

नाम दवा—सिर्का, आमला, जाफरान, मुश्क, हड़ जर्द, मीठा बादाम, मूश्क, मुण्डी, सौंफ, सीप जली हुई, अबरेशम, जला हुआ प्याज पकाई हुई, शहद, कालीमिर्च, मोती, चांदी की सलाई, ऐनक लगाना, चाँद (महताव) को तरफ नजर करना वगैरा।

८५—नाम अर्बी-मुकब्बियात जिगर।

उल्था—जिगर को कुव्वत देने वाला।

नाम दवा—कासनी, सतावर, जोजबोया, अनार, छड़ीला नख पोदीना कोही, बिलसाँ के बीज, नरकचूर, नागरमोथा व रोज अकरवी, सुगन्धवाला, छोटी इलायची, दारचीनी, कसूस, पिस्ता मस्तगी, तज, गाफिस, नारदोनयानी सम्बुल रूमी, लौंग, बिलाई लोटन, मुनक्का, जरिश्क वगैरा।

८६—नाम अर्बी-मुकब्बियात असनान व लसा।

उल्था—दाँतों और मसूड़ों को कुव्वत देने बाली।

नाम दवा—फिटकरी, मिस्सी, हैड़ का छिलका, सुपारी, अकर करा, जीरा, तरह तेजक, गुलाब, गुलनार, लोबान, नागरमोंथा, माजू, जला हुआ बारहसिंगा, छोटी व बड़ी माई, मस्तगी, दाना इलायची, कालीमिर्च, कसीस, बंसलोचन जर्द, जली हुई हैड़ की गुठली, भिलावा जला हुआ, लाई, चंदरूस, संगजराहत, मसूर इमली के चिये मूंगे की जड़, नरकल की जड़, कूट, मोती, मोलसिरी की छाल, सिरस के बीज, तालीसफर, कफदरिया, तमाखू जलाया हुआ, कौड़ी जर्द, कवाबा बोज वगैरा।

८७—नाम अर्बी-मुकब्बियात दिमाग

उल्था—दिमाग को कुव्वत देने वाली।

नाम दवा—मोती, गुलाव, नागरमोथा, बालछड़, सोंठ, आमला भिलावा, बालंगो, कुन्दर, फिन्दक, मुश्क, अगर, अम्बर, लौंग, सेव के फूल, अमरूद के फूल, बिही के फूल, जानवरों का भेजा, जाफरान, मुर्गी का गोश्त, तीतर का गोश्त, दोनामरुवा, चमेली, मगज कदू, काहू के बीज, हैड़ का मुरब्बा, लवे का गोश्त, शर्बत

नारंज, जोजवोया, सन्दल सफेद, मीठा बादाम, राम तुलसी, अर्क गुलाब, भेड़ का दूध वगैरा।

८८—नाम अर्बी—मुकव्वियात कलव।

उलथा—दिल को कुव्वत देने वाली।

नाम दवा—अमरूद अनार मीठा, इमली, आंवला, सेव आवरेशम तुरंज का छिलका, लीमू के फूल, छड़ीला, सन्दल, वंशलोचन दोनामरुआ, बहमन सफेद व जद तुरंजखकाली, गुलम तूम, रिवास युसबुदे, तुलसी जंगली, नख, गावजुवां, धनियां, खुश्क गुलाब के फूल, निर्विषी, दारचीनी, मूंगा, मूंगे की जड़, नीलोफर, चूके के बीज, पान, नारंज, जर्दहैड़, मोती, चमेली, बालछड़, तज, नागरमोथा, अगर, अम्बर, मुश्क, शकाकुल, याकुत रामतुलसी, नरकचूर बर्क चांदी व सोने का, इलायची, लाजवर्द, नानाअ ऊदसलीम बगैरा।

८९—नाम अर्बी—मुकव्वियात मेदा।

उलथा—मेदे को कुव्वत देने वाली।

बयान तफसीली—जितनी चीजें मेदे को कुव्वत देने वाली हैं वह आंतों और मेदे की रगों को भी कुव्वत देती हैं, इस वास्ते उनके मुकव्वियात अलग २ नहीं हुये।

नाम दवा—गुलाब के फूल, आंमला, अनारदाना, हैड़, विही, वंशलोचन, तिरह तेजक, आलू, हड़ का मुरब्बा, जराकस, तुरंज का छिलका, वालंगू जामन, सुगंधवाला, जोजवोया, हमामा, कालीमिर्च, ऊटनी का दूध, दारचीनी, नरकचूर, नागरमोथा, तज छड़ीला, तेतपात, लौंग, इलायची, लोवान, मस्तगी, पोदीना, स्याह जीरा, मुस्तरा मशोअ, नानाअ, दही, अगर मुर्ग का संगपान सौंठ वगैरा।

९०—नाम अर्बी—मुलत्तफ।

उलथा—लताफत करने वाली।

बयान तफसीली—गाढ़ी खिलतों को पतला और नर्म करती और दफै करती है।

नाम दवा—अस्कील, दोनामरुआ, जरकस, मुरहठो, तुख्म उटंगन, बनफ्सा की जड़, अञ्जीर, बाबूना, पोदीना, चूका, सिर्का, विलसां के बीज, ऊदलिाब्ब के खुसिये, शोरह, अंबरवेद, अरपंद, राई, दारचीनी, जूत्फखुश्क, तितली. लहसन, प्याज, जरावंद. सातर, अकरकरा, कूठ, देशी अजवायन, पहाड़ी पोदीना, बज, मुश्कतरामशीअ, बिलाई लोटन, नागरमोथा, फिर्दमाना, किमाजरयून, हालम, कुन्दर।

६१—नाम अर्बी-मुलैयनात औराम।

उल्था—बरमों को नर्म करने वाली।

बयान तफसीली—व वजह कुब्बत मुहल्लसा (तहलील) से मवाद वरम को नर्म रखती है और तहलील करती है।

नाम दवा—बनफ्सा की जड़, नाखूना. वतम का गोंद, नरकचूर सिलरस अम्बर, मोंम, तुख्मखत्मी बोल, लोबान, अलसी, मेंहदी. नागरमोथा, रेंडी का तेल, मुर्गी की चर्बी गूगल, बकरी की नली का गूदा, विनौले का तेल, अस्पगोल. जुफ्त रस यानी आमले का उसारा।

६२—नाम अर्बी-मुलैयनात बतन।

उल्था—पेट को नरम रखने वाली।

बयान तफसीली—मेदे और आंतों के सुद्दे और बन्द माद्दे को दस्तों की राह नरम करके निकाल बहाती है

नाम दवा- चिरौंजी, खुर्फे का साग, मूली, करंब (करनब) बिनोले की गिरी. गन्ने का रस, शहद वेकफ़ उतारा हुआ. शफ्तालु सिर्का पालक, सिर्का अलसी. सोंफ, बकरी व भेड़ का दूध, हैड़, सनाय, इमली, गुलाब, तुरंजवीन आलूबुखारा. सौंफ की जड़, गुलकन्द. सौंफ का अर्क।

६२—नाम अर्बी-मुमसक।

उल्था—रोकने और बन्द करने वाली।

बयान तफसीली--खुश्की व लतीफ गर्मी की वजह से कुव्वत इमसाक बढ़ाती है।

नाम दवा--अफयून, जोजवोया (नारियल), बीरबहूटी, गूगल, धतूरे के बोज, खुरासानी अजवायन, लौंग, कालीमिर्च, जाबित्री, जाफरान, मस्तगी, दारचीनी, सोंठ, काफूर, मुश्क, अकरकरा, बबूल के फूल, धतूरे के पत्ते, गूमे का फूल व बीज, गिलोय का सत।

६४--नाम अर्बी--मुलज्जात।

उल्था--लज्जत देने वाली।

बयान तफसीली--मर्द और औरत या दोनों को वक्त जमाअ (विषय) के लज्जत व मजा देती है।

नाम दवा--लौंग दारचोनी कबाबा, अकरकरा मुनक्का, सोंठ नर्म २ कूट के शहद मिलाकर निगाह रखना और वक्त हाजत मुँह की लारमें तर करके काममें लेना, आदमी के शिर के बाल चमेली के तेल में पीस वक्त हाजत काम में लावे, बीरबहूटी, पारा, जाफरान, कबूतर की बीट।

६५--नाम अर्बी-मुकब्बमात कजीव।

उल्था--लिंग को मोटा करने वाली।

नाम दवा--जुफ्त रूमी केंचुये, जोंक, अकरकरा, कनेर के छिलके, बीरबहूटी, पहाड़ी इश्कपेचां, मुफरद या मुरक्कब, चमेली के तेल में रोजाना लगाना; लौंग, नारियल, दारचोनी, जाफरान चमेली के तेल में लगाना, रोगन जैत हमेशा लगाना, करफस के जोशांदे से बार२ मलकर धोना, भेड़कीचर्बी बराबर लगातेरहना।

६६--नाम अर्बी-मजीकात।

उल्था--फर्ज (योनि) को तंग करने बाली।

नाम दवा--बकायन की छाल, अनार की छाल, मौलसिरी की छाल बारीक पीस कपड़े में लगाकर रखना, माजूफल, काफूर शहद में मिलाकर लेप करना, मुबाबादल, काले तिल, गोखरू,

इमली के बीज बारीक पीस मुकाम में छिड़कना, बीरबहूटी–गाय के घी में पीसकर अन्दर मलना, बबूल की कुल हिस्सों की पिसी हुई चुटकी छिड़कना वगैरा।

९७—नाम अर्बी–मुजम्मद।

उल्था—जमा देने वाली

बयान तफसीली—बवजह सर्दी और कुव्वत कब्ज के खिलतों और रतूबतों को बांधती है और जमा देती है

नाम दवा—अजवायन खुरासानी, निशास्ता, कतीरा, गोंद, वगैरा

९८—नाम अर्बी–मुंजिजात सफरा।

उल्था—सफरा को पकाने वाली

बयान तफसीली—मुंजिज वह दवा है कि वर्मों और मख्तियां और खिलतों को पुख्ता करती है और फासिद खराबशुदा खिलतों को मौतदिल और निकलने के काबिल करती है यानी गाढ़े को पतला और पतले को गाढ़ा करती है।

नाम दवा—उन्नाव, गुलसुर्ख, बनफशा, नीलोफर, शाहतरा, तुख्म कासनी व जड़ मकोय सूखी, सिकंजवीन, तुरञ्जवीन, शकर सुर्ख, शर्बत आलू, गुलकन्द, आफतावी वगैरा।

९९—नाम अर्बी–मुन्जिजाते बलगम

उल्था—बलगम को पकाने वाली

नाम दवा—मुनक्का, खतमी के बीज, कासनी की जड़, सौंफ, मुलहठी, बादियान रूमी, परसियावसान, शुकाई, अंजीर, गुलाब के फूल, गुलकन्द या सिकंजवीन वगैरा।

१००—नाम अर्बी–मुंजिजाते सौदा

उल्था—सौदा को पकाने वाली

नाम दवा—लहसौड़ा, उन्नाव, गावजवां, बिलाईलोटन परसिया बशान, मुलहठी, दोनामरुआ, शुकाई, शातरा, सौंफ, बादावर्द, तुरञ्जवीन, गुलकन्द वगैरा।

१०१—नाम अर्बी–मुन्खिखात

उल्था—अफारा पैदा करने वाली।

बयान तफसीली--अपनी रतूबत फुजलिया के सबब असली हरारत को तहलील करने पर कुदरत (ताकत) नहीं देती है बल्कि रियाह बनके पेट को फुलाती है।

नाम दवा--बाकला, लोबिया, गोभी, जामुन की गिरी, करमकल्ला, चुकन्दर, मोंठ, बन्द आलू, झींगा मछली, बगले का गोश्त, शकरकन्द, समुद्रसोख, सलजम के पत्ते, लोनियां वगैरा।

१०२--नाम अर्बी-मुनब्बत व मलहम।

उल्था--गोश्त भर लाने वाली।

बयान तफसीली--जखम पर के खून का सही गोश्त बनाकर जखम को पूरा कर देने वाली।

नाम दवा--दम्बुल अखवीन यानी हीरा दोखी, कतीरा वगैरा

१०३--नाम अर्बी-मुनब्बत शअर।

उल्था--बाल उगाने वाली

बयान तफसीली--सिर व दाढ़ी वगैरा के बालों को पैदा करती और लम्बा करती है।

नाम दवा--खतमी, बेरी के पत्ते, उड़द की दाल का लुआब, चीटी के अन्डे, नारियल का तेल वगैरा।

१०४--नाम अर्बी-मुनव्विम

उल्था--नींद लाने वाली

नाम दवा--अफीम, सोया, खसखास, खसखास के फूल, जाफरान, सेब, हमामा, बनफसा, हरा धनियां आसजौ, शीरा बादाम, रोगन बादाम, रोगन नीलोफर, गुल रोगन, बाबूना, कबर की खाक सोते पर छिड़कना।

१०५--नाम अर्बी-मूसिख करूह

उल्था--जखमों के मवाद व मैल पैदा करके बहाने वाली

बयान तफसीली--जखमों से मवाद बहाती और खुश्क नहीं होने देती और जखम को कटने से मना करती है

नाम दवा--मोम रोगन वगैरा।

१०६--नाम अर्बी-प्रल्लदात

उल्था--मनी पैदा करने वाली

नाम दवा--सोरञ्जान मीठा, कच्ची प्याल, लहसन, बोजीदान, बादाम, पिस्ता, छड़ीला, अलसी, सलजम, चना, इन्द्रजौ, हालों, नारियल, तोदरी दोनों, सौंठ, मुश्क, जाफरान, गन्दना के बीज, शकाकुल, दूध व शकर, मुर्गे का गोश्त।

१०७--नाम अर्बी मुहजिल

उल्था--दुबला करने वाली

बयान तफसीली--बदन को दुबला व लागर करती है।

नाम दवा--लाख वगैरा

१०८--नाम अर्बी मुर्हीज।

उल्था--बढ़ावा देने वाली

बयान तफसीली--किसी खिलत या किसी कुव्वत को हैजा (बढ़ावा) देती है

नाम दवा--गन्ने का रस, सफरा को, तुर्शियां बलगम को, फवाखात खून को, मेवाजात बाह को।

१०९--नाम अर्बी-नाशिफ

उल्था--रतूवत जजब करने वाली

बयान तफसीली--बहती हुई रतूवत को खींच लेती है

नाम दवा--खुश्क चूना, मुबाबादल, कोंरीठीकरी, जहरमोहरा वगैरा

११०--नाम अर्बी-हाजिम

उल्था--हजम करने वाली

बयान तफसीली--गिजा को जज्बवदन कर देती है और भूख लगाती है

नाम दवा--रामतुलसी, देशी अजवायन, नरकचूर, पीपरामूल, शहद, गुड़, सिर्का, अचार, जामुन का अर्क कुल मिठाइयां वगैरा।

तीसरा अध्याय

इस अध्याय में कई नाम मिश्रित औषधियों के काम में लाने के हैं, जो यूनानी वैद्यों के संकेत हैं, जिनके नाम पर नुस्खे का नाम रक्खा जाता है।

१—नाम अर्बी—आवर्जन

तर्जुमा—पानी में बैठना

तफसील—बड़े जफ (वर्तन) में नीम गर्म जोशान्दा दवाओं में बैठाना।

२—नाम अर्बी—इक्तहाल

तर्जुमा—सुर्मा लगाना

तफसील—सिर्फ सुर्मा व दवायें बारीक पीसकर आंख में लगाते हैं।

३—नाम अर्बी—इंकबाव

तर्जुमा—भपारा लेना

तफसील—चादर ओढ़कर दवाओं के जोशान्दा की भाप तमाम बदन या किसी को देना।

४—नाम अर्बी—बखूर

तर्जुमा—धूनी लेना

तफसील—दवा आग पर जलाकर दिमाग या नाक या किसी अजू या तमाम बदन पर धुआं पहुँचाना।

५—नाम अर्बी—बरूद

तर्जुमा—धोवा

तफसील—सद दवाइयां पोटली बांधकर और भिगोकर आंख पर फेरना।

६—नाम अर्बी—पाशोया

तर्जुमा—मशहूर है।

तफसील—दबाइयों के नीम गर्म जोशांदे से जांघ तक पांव धोना और नीचे को सूंतना।

७—नाम अर्बी–तदहीन

तर्जुमा—तेल की मालिश

तफसील—किसी अज़ू पर तेल लगाकर मलना।

८—नाम दवा–ताअलीक़

तर्जुमा—कोई चीज गर्दन में लटकाना।

९—नाम अर्बी–तमरीख

तर्जुमा—मालिश

तफसील—तेल या और कोई चीज बदन पर या किसी अज़ू पर मलना।

१०—नाम अर्वी–हुकना

तर्जुमा—असल लेना।

तफसील—फुकने में तर दवा या पानी नीम गर्म भरकर आंतों या मशाना या रहम में पहुँचाना।

११—नाम अर्बी–हमूल।

तर्जुमा—मुकाम में कपड़ा रखना

तफसील—दवाओं में लत्ता तर करके औरत के मुकाम में रखना।

१२—नाम अर्वी–जरूर।

तर्जुमा—चुटकी छिड़कना।

तफसील—खुश्क पिसी हुई दवा जख्म या पलकों पर छिड़कना या किसी अज़ू पर घूरा मलना।

१३—नाम अर्बी–सऊत

तर्जुमा—नाक में टपकाना।

तफसील—तर दवा नाक में डालना।

१४—नाम अर्वी—लऊक।

तर्जुमा--डारना ठहर २ के।

तफसील--नाजुक ऐजा पर ऊंचे से ठहर २ के दवा का जोशान्दा नीम गर्म का तड़ेड़ा देना।

१५--नाम अर्बी-सनून

तर्जुमा--मंजन

तफसील--पिसी हुई दवा दांतों पर मलना

१६--नाम अर्बी-शाफा

तर्जुमा--सलाई सी आँख या औरत के मुकाम में रखना

तफसील--दवाइयों की सलाई सी बनाके या किसी दवाई में लत करके आँख या औरत के मुकाम में रखना या लगाना

१७--नाम अर्बी-शदउल

तर्जुमा--हाथ पाँव बांधना

तफसील--हाथ बगल में पंजों तक और पांव रान से पैर तक कस के बाधना

१८--नाम अर्बी-समूम

तर्जुमा--सूघना

तफसील--कोई चीज तर या खुश्क सूंघना जैसे इत्र या मुश्क

१९--नाम अर्बी-जिमाद

तर्जुमा--लेप

तफसील--तर व गाढ़ी पिसी हुई दवा बदन या किसी अजू पर लेप कर देना

२०--नाम अर्बी-तिला

तर्जुमा--हल्का लेप

तफसील--तर और पतली दवा बदन या किसी अजू पर लगाना

२१--नाम अर्बी-अतूस

तर्जुमा--नास या हुलास लेना

तफसील—छींक के लिये खुश्क दवा नाक में सूंघना

२२--नाम अर्बी-गर्गरा

तर्जुमा--मशहूर है

तफसील—तनकिया दिमाग के वास्ते दवा के जोशान्दा (मला हुआ) का कुल्ला हलक में फिराना।

२३—नाम अर्बी-फतीला

तर्जुमा—बत्ती

तफसील—कपड़े की बत्ती, दवा में लत करके अजू के जखम के सुराख में रखना।

२४—नाम अर्बी-फुर्जजह

तर्जुमा—लत्ता व करस्फ

तफसील—दवा में लत्ता तर करके औरत के मुकाम में रखना

२५—नाम अर्बी-नतूर

तर्जुमा—टपकाना

तफसील—कान या नाक या किसी अजू के सुराख में तर दवा टपकाना

२६—नाम अर्बी-काजल

तर्जुमा--अंजन

तफसील--बत्ती दवा में तर करके और उसका काजल पार के आंख में लगाना

२७--नाम अर्बी-कहल

तर्जुमा—सुर्मा

तफसील--जो दवा सलाई से आंख में लगाई जावे

२८--नाम अर्बी-कमाब

तर्जुमा—सेक

तफसील दवा तर या खुश्क पोटली से या पत्थर या ईंट से किसी अवयव को सेंकना।

२९—नाम अर्बी-लखलखा

तर्जुमा—मशहूर है

तफसील—पतला खुशबूदार मुरक्कब दवा शीशी में भर कर सूंघना।

३०—नाम अर्बी-लतूह

तर्जुमा—लेप

तफसील—जमाद (लेप) से पतली और तिला से गाढ़ी कोई दवा का तर लेप करना।

३१—नाम अर्बी-मुगली

तर्जुमा—जोशान्दा

तफसील—दवा पानी में भिगोकर और जोश करके पीना।

३२—नाम अर्बी-मजमजा

तर्जुमा—कुल्ली

तफसील—किसी तर दवा या पानी की कुल्ली मुंह में फिराना

३३—नाम अर्बी-नसाके

तर्जुमा—सुड़कना

तफसील—तर दवा नाक में सुड़कना।

३४—नाम अर्बी-नतूल

तर्जुमा—तड़ेड़ना

तफसील—तर और नीम गर्म जोशान्दा दवा का पानी ऊंचे से लगातार तड़ेड़ा करना।

३५—नाम अर्बी-नफूक

तर्जुमा—दवा फूंक देना।

तफसील—खुश्क दवा पिसी हुई नलकी के जरिये से नाक या किसी अजू में फूंक देना।

३६—नाम अर्बी-नकूअ

तर्जुमा—खिसान्दा

तफसील--दवा पानी में एक रात दिन भिगोकर बाद को साफ करके पीना।

३७--नाम अर्बी-वजूर

तर्जुमा--दवा हलक में टपकाना।

तफसील-तर दवा हलक में टपकाना।

॥ समाप्तोऽयं ग्रन्थः ॥